राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या, प्रयागराज, मिर्जापुर, गोरखपुर, बरेली, बुंदेलखंड, उत्तराखंड, देहरादून

सीतापुर, गुरुवार, 02 अक्टूबर 2025
वर्ष 14, अंक 171, पृष्ठ 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाजियाबाद, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश, असम, तेलंगाना आदि जनपदों में प्रसारित

ग्राम पंचायत में फर्जी परिवार रजिस्टर मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग..03

विशेषज्ञों ने दूसरे दिए भी किए भू-पुरातात्विक और प्राकृतिक धरोहरों का निरीक्षण..04

क्या सीएम की कुर्सी निहारते ही रह जाएंगे तेजस्वी यादव? लुटिया डुबोने के लिए तैयार बैठी है कांग्रेस!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना- सारा श्रृंगार किया पर 'घेघा' बिगाड़ दियाजबिहार के ग्रामीण अंचलों में ये कहावत काफी लोकप्रिय है. इसका उपयोग वैसे संदर्भो में किया जाता है जब 'अज्ञानता वश' किसी के पूरे परिश्रम पर पानी फिर जाता है. बिहार चुनाव के संदर्भ में क्या महागठबंधन के साथ यही कुछ होने जा रहा है? दरअसल, वोट चोरी और बिहार एसआईआर के मुद्दे पर जिस तरह से राहुल गांधी ने आक्रामक रूप दिखाया और एनडीए सरकार के विरुद्ध तमाम माहौल बनाया, क्या यह बिहार में फलीभूत होता हुआ दिख रहा है? 16 अगस्त से लेकर 3 सितंबर तक राहुल गांधी ने बिहार की यात्रा भी की, तेजस्वी यादव को भी साथ लिया और पूरी आक्रामकता से जदयू-भाजपा सरकार पर जोरदार प्रहार भी किए, लेकिन इसका परिणाम क्या हुआ? टाइम्स नाउ और जेवीसी की ताजा चुनावी सर्वे रिपोर्ट इसकी परतें खोलती है जो कांग्रेस के लिए बड़ा झटका है!

कांग्रेस की सियासी जमीन और खिसकी

दरअसल कांग्रेस ने बिहार में कांग्रेस की मिट्टी पलीद हो जाने की तस्वीर इस सर्वे में दिखाई गई है. खास बात यह कि बीते 2020 के चुनाव से भी बदतर नतीजे कांग्रेस के लिए इस ताजा सर्वे में दिखाए जा रहे हैं. सर्वेक्षण से पता चलता है कि कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का 'वोट चुराने' का अभियान मतदाताओं को रास नहीं आया है और 52 प्रतिशत लोगों ने विशेष जांच के आरोपों को निराधार बता दिया है. खास बात तो यह है कि सीटों के आंकड़े ऐसे हैं जो कांग्रेस की सियासी जमीन ही उसके पैरों तले से खिसका देने वाली है।

नीतीश-तेजस्वी की टक्कर में कांग्रेस गुम!

बता दें कि बिहार चुनाव 2025 जनमत सर्वेक्षण में जेवीसी पोल के अनुसार, इस साल नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में जनता दल (यूनाइटेड) को 53 सीटें मिलने की उम्मीद है. दूसरी ओर, भाजपा को 71 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि राजद को 74 सीटें मिलने की उम्मीद है. यानी राजद और भाजपा बराबरी की टक्कर में है और पिछले चुनाव की तुलना में जदयू भी बढ़ता हुआ दिख रहा है और 10 सीटें अधिक आने का अनुमान है. लेकिन, सवाल कांग्रेस को लेकर है कि आखिर देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी का बिहार में क्या होने वाला है?

सर्वे की बड़ी तस्वीर, कांग्रेस की कमजोर नींव

बता दें कि ओपिनियन पोल में सीटों की संख्या के मामले में एनडीए महागठबंधन पर मज़बूत बढ़त बनाए हुए है. जेवीसी पोल के अनुसार, एनडीए को 131-150 सीटें मिलने की उम्मीद है, जिसमें भाजपा को 66-77 सीटें, जेडी(यू) को 52-58 सीटें और एनडीए के अन्य सहयोगियों को 13-15 सीटें मिल सकती हैं. वहीं, सर्वेक्षण में महागठबंधन के लिए अनुमान लगाया गया है कि राजद को 57-71 सीटें मिल सकती हैं, उसके बाद कांग्रेस को 11-14 सीटें और अन्य को 13-18 सीटें मिल सकती हैं. इस तरह विपक्षी गठबंधन की कुल सीटों की संख्या 81-103 हो जाती है.

सीएम फेस की रेस में तेजस्वी से आगे नीतीश

प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को 4-6 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि एआईएमआईएम, बसपा और अन्य को 5-6 सीटें मिलने का अनुमान है. सर्वेक्षण की सबसे खास बात यह है कि ये ओपिनियन पोल नीतीश कुमार और उनकी पार्टी के लिए सकारात्मक संदेश दे रहे हैं. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी पार्टी और बिहार में अपना जनाधार खोने की अफवाहों के विपरीत, बिहार चुनाव से पहले एक नए सर्वेक्षण से पता चलता है कि जेडीयू को 2020 की तुलना में अधिक सीटें मिलने की संभावना है. नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे पसंदीदा नेता बनकर उभरे हैं।

चुनावी समीकरण और वोट शेयर का गणित

जेवीसी पोल के अनुसार, इस साल नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में जनता दल (यूनाइटेड) को 53 सीटें मिलने की उम्मीद है। यह 2020 की तुलना में दस सीटें ज़्यादा है और इस साल अगस्त में किए गए सर्वेक्षण के अपने अनुमान से लगभग दोगुनी है. पिछले विधानसभा चुनावों में भाजपा और राजद ने क्रमशः 74 और 75 सीटें जीती थीं. वोट शेयर की बात करें तो एनडीए को 41-45 प्रतिशत वोट मिलने की उम्मीद है, जबकि महागठबंधन को 37-40 प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान है।

बिहार चुनाव में प्रशांत किशोर का एक्स-फैक्टर

जेवीसी सर्वे के अनुसार, प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी, जिसे कई लोग आगामी चुनावों में 'एक्स-फैक्टर' मानते हैं, 10-11 प्रतिशत वोट शेयर के साथ अच्छा प्रदर्शन कर सकती है. दूसरी ओर, कांग्रेस को एक और झटका लग सकता है. मुख्यमंत्री के सवाल पर, अधिकांश उत्तरदाताओं ने नीतीश को प्राथमिकता दी, 27 प्रतिशत ने उन्हें वोट दिया. राजद के तेजस्वी यादव 25 प्रतिशत वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे. इसके बाद प्रशांत किशोर (15%), चिराग पासवान (11%) और सम्राट चौधरी (8 प्रतिशत वोट) हैं।

राहुल की रणनीति पर सवाल, तेजस्वी की टेंशन

राहुल गांधी ने वोट चोरी और एसआईआर मुद्दे पर जमकर आक्रामकता दिखाई, लंबा दौरा किया, तेजस्वी यादव को साथ लिया और एनडीए सरकार को घेरा भी. लेकिन, सर्वे बताता है कि मतदाताओं को यह रणनीति रास नहीं आई. उल्टे, कांग्रेस की सियासी ज़मीन और खिसकती दिख रही है. राहुल गांधी की रणनीति को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं. सवाल यह भी कि क्या बिहार के चुनावी रण में कांग्रेस फिर वही गलती दोहराने जा रही है जो राजद और तेजस्वी यादव के लिए सेटबैक साबित होने जा रही है. जाहिर है बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर आए ताज़ा जेवीसी सर्वे ने कांग्रेस की चिंता और गहरी कर दी है।

PoK में भड़की हिंसा, कई जिलों में भारी प्रदर्शन, झड़प में 2 की मौत; बाग जिले में अगवा किए गए पुलिस के जवान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (PoK) में लोग सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं. यह प्रदर्शन इतना अब उग्र हो गया है कि पूरे इलाके में इंटरनेट सेवा ठप हो चुका है. हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं. कई जिलों में भीड़ और पुलिस के बीच हिंसक झड़पें हुई. विरोध प्रदर्शन के दौरान 2 प्रदर्शनकारियों की मौत से लोगों का गुस्सा और भी भड़क गया है. इस बीच खबर है कि लोगों ने 164 पंजाब पुलिस के अधिकारियों को बंधक बना लिया है. वहीं पाकिस्तानी सुरक्षाबल प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश में जुटे हुए हैं, बावजूद इसके लोगों का विरोध थमने का नाम नहीं ले रहे है. लोग सड़कों पर उतर कर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

पाकिस्तानी प्रशासन से नाराजगी

PoK में हो रहे ये विरोध प्रदर्शन दिखाते हैं कि वहां की जनता राजनीतिक दमन, आर्थिक शोषण और पाकिस्तानी प्रशासन की जबरदस्ती से बेहद नाराज़ है. हालात तेजी से नियंत्रण से बाहर जाते दिख रहे हैं. PoK में यह विरोध प्रदर्शन शुरुआत आटे की कीमत को लेकर हुआ जिसने बाद में विद्रोह का रूप अख्तियार कर लिया. खबर है कि कश्मीर संयुक्त नागरिक कमेटी ने 38 मांगों की एक लिस्ट सरकार को सौंपी है. इनमें प्रवासियों के लिए आरक्षित विधानसभा की 12 सीटों को समाप्त करना, पीओके शासन के प्रमुख लोगों का भत्ता और वीआईपी कल्चर खत्म करना प्रमुख है।

क्यो हो रहा प्रदर्शन

यह विरोध प्रदर्शन 2 साल पहले इलाके में आटे, बिजली की नियमित सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए शुरू किया गया था, हालांकि अब इसमें कश्मीर के उच्च वर्ग के लोगों को मिले विशेष अधिकार में कटौती, विधानसभा सीटों में आरक्षण खत्म करना और लोगों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य-शिक्षा की सुविधा शामिल हो गई है. हड़ताल सिविल सोसाइटी के मुख्य समूह जम्मू-कश्मीर संयुक्त आवामी एक्शन कमेटी (JKJAC) का आरोप है कि सरकार पिछले 2 साल पहले हुए समझौते को पूरा नहीं कर पाई इसलिए यह विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है।

PoK में लोग सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं क्योंकि उनकी मांगें पूरी नहीं की गई हैं, जिनमें बिजली दरों में कमी, स्थानीय लोगों को हाइड्रोपावर परियोजनाओं से हिस्सेदारी, भ्रष्टाचार पर लगाम और आरक्षित सीटों को हटाना शामिल है. प्रदर्शनकारियों की एक मांग जल विद्युत परियोजना को लेकर भी है. इनका कहना है कि इसकी रॉयल्टी सरकार की तरफ से नहीं दी जाती है, जो गलत है. इसकी तुरंत व्यवस्था की जाए. वहीं सरकार ने इन मांगों को पूरा करने में असमर्थता जता दी है. संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (AAC) इस आंदोलन का नेतृत्व कर रही है।

ताज़ा घटनाक्रम इस प्रकार हैं

कोटली / दादयाल जम्मू-कश्मीर अवामी एक्शन कमेटी (JKAAC) के काफिले रावलाकोट और मीरपुर से दादयाल पहुंचे. स्थानीय प्रशासन ने पालक ब्रिज, दादयाल पर कंटेनर रखकर रास्ता रोकने की कोशिश की. प्रदर्शनकारियों ने रुकावटें हटाकर मुजफ्फराबाद की ओर मार्च जारी रखा।

मुज़फ़्फ़राबाद लाल चौक पर हिंसक झड़पें हुई. पाकिस्तानी पुलिस ने गोलियां चलाई, जिसमें दो लोगों की मौत और कई घायल हुए. JKAAC नेताओं ने तुरंत मोबाइल सेवाएं बहाल करने की मांग की और चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो वे संचार टावर गिरा देंगे।

रावलाकोट यहां बड़ी जनसभा हुई, जिसमें लोग कश्मीर और उसके प्राकृतिक संसाधनों पर हक की मांग कर रहे थे. रावलाकोट कभी ISI के आतंकवादी गतिविधियों का गढ़ माना जाता था, वहीं अब लोग खुलेआम पाकिस्तान सरकार की नीतियों के खिलाफ उतर आए हैं।

बाग बाग जिले में हिंसक झड़पें हुई. रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्थानीय लोगों ने पंजाब पुलिस के कई जवानों को पकड़ लिया है।

1 अक्टूबर की तैयारी JKAAC नेताओं ने सभी जिलों से लोगों को 1 अक्टूबर को मुज़फ़्फ़राबाद की ओर कूच करने का आह्वान किया है. इससे हालात के और बिगड़ने और बड़े टकराव की आशंका जताई जा रही है।

हरियाणा कांग्रेस के नए अध्यक्ष की नियुक्ति पर बवाल जारी, अब पूर्व मंत्री संपत सिंह ने उठाए सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कांग्रेस ने हाल ही में हरियाणा इकाई के नए अध्यक्ष की नियुक्ति की है, जिसके बाद पार्टी की प्रदेश इकाई में विरोध शुरू हो गया था. इसी बीच में पूर्व मंत्री संपत सिंह ने दावा किया कि 'सरकार चोरी' करने वाले को ही फिर से पार्टी सौंप दी गई. उन्होंने कहा कि इस नुकसान की भरपाई करना मुश्किल ही नहीं बल्कि नामुमकिन है. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के इस निर्णय से पार्टी के कार्यकर्ता निराश हैं और पार्टी जनता में भी विश्वास खो रही है. दरअसल, कांग्रेस पार्टी ने 29 सितंबर को राव नरेंद्र सिंह को हरियाणा इकाई का नया अध्यक्ष नियुक्त किया था और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को विधायक दल का नेता बनाया था, जिसके बाद पार्टी के अंदर ही कांग्रेस को विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

एक साल बाद की थी नियुक्ति

हरियाणा में लंबे समय से गुटबाजी का सामना कर रही कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में हार के करीब एक साल बाद ये नियुक्तियां

की थीं. बताया जा रहा है कि राव नरेन्द्र सिंह पूर्व सीएम हुड्डा के करीबी हैं, जिसकी वजह से उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नुकसान पहुंचाने वाले को सौंपी गई पार्टी

पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा के विरोधी माने जाने वाले संपत सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि स्वर्गीय चौधरी भजन लाल के नेतृत्व में 2005 में 67 सीटें आने के बाद लगातार पार्टी को नुकसान पहुंचाने वाले को फिर से पार्टी सौंप दी गई है. उन्होंने पार्टी से सवाल किया कि एक साल के मंथन के बाद क्या यही बदलाव है? युवाओं को आगे क्यों नहीं बढ़ाया जा रहा? सरकार चोरी का जिम्मेदार ही अब पार्टी का झंडा बुलंद करेगा? उन्होंने दावा किया कि इस नुकसान की भरपाई करना मुश्किल ही नहीं बल्कि नामुमकिन है. उन्होंने कहा कि पार्टी के इस निर्णय से पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता निराश हैं और पार्टी जनता में विश्वास खो रही है।

वरिष्ठ नेता ने भी उठाए थे सवाल

इससे पहले, राव नरेंद्र की नियुक्ति के कुछ देर बाद ही पार्टी के वरिष्ठ नेता कैप्टन अजय सिंह यादव ने कहा था कि पार्टी को राज्य में अपने 'गिरते ग्राफ' पर आत्ममंथन करने की जरूरत है. यादव ने सोशल मीडिया पोस्ट कर कहा था कि हरियाणा में कांग्रेस पार्टी के लगातार गिरते ग्राफ को देखते हुए आज लिए गए निर्णय पर पार्टी को आत्म निरीक्षण करने की आवश्यकता है. राहुल गांधी जी की इच्छा थी कि हरियाणा कांग्रेस का अध्यक्ष एक ऐसे व्यक्ति को बनाया जाए जिसकी छवि पूरी तरह साफ-सुथरी, बेदाग और युवा नेतृत्व की पहचान रखने वाली हो. लेकिन आज का निर्णय इसके ठीक उलट दिखाई देता है. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के इस निर्णय से पार्टी कार्यकर्ताओं और कैडर का मनोबल बिलकुल गिर गया है।

संक्षिप्त ख़बरें

जेल भेजने का अल्टीमेटम रंग लाया, नकवी ने ACC ऑफिस भेजी ट्रॉफी, BCCI ने कर ली थी पुलिस में जाने की तैयारी

नई दिल्ली- भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए एशिया कप फाइनल को लेकर उपजे विवाद पर पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी की अक?ल ठिकाने आ गई है. नकवी पीसीबी चीफ होने के साथ-साथ एसीसी यानी एशियन क्रिकेट काउंसिल के भी चेयरमैन हैं. भारतीय क्रिकेट टीम ने नकवी के हाथें एशिया कप की ट्रॉफी लेने से मना कर दिया था. इसके बाद नकवी ट्रॉफी ही अपने साथ लेकर चले गए थे. बीसीसीआई ने इसे लेकर दुबई पुलिस को ट्रॉफी चोरी करने की शिकायत करने का मन बना लिया था. भारत की सख्ती के बाद मोहसिन नकवी को झुकना पड़ा. अब वो ट्रॉफी भारत को लौटाने को तैयार हो गए हैं.

एसीसी मीटिंग में घिर गए थे नकवी

एशिया कप फाइनल के 72 घंटे बाद भी मोहसिन नकवी ने ना तो ट्रॉफी भारत को सौंपी और ना ही उसको एशियन क्रिकेट काउंसिल के दफ़्तर भेजा. मंगलवार को ACC की बैठक में ज़ोर-शोर से ये विवाद उठा और कई देशों के प्रतिनिधियों ने इसका विरोध भी किया, लेकिन मोहसिन नकवी अपनी जिद पर अड़े रहे और ट्रॉफी उनके होटल के कमरे में पड़ी रही. बीसीसीआई ने सख़्त कदम उठाने का मन बना लिया और मोहसिन नकवी पर ट्रॉफी चोरी और जबरन कब्जा करने की शिकायत लिखित रूप से दुबई पुलिस को करने का मन बना चुके हैं.

बीसीसीआई ने दिया ता अल्टीमेटम

सूत्रों की मानें तो बोर्ड ने मोहसिन नकवी के 72 घंटे का समय दिया है और इस दौरान वे ट्रॉफ़ी ACC के आफिस नहीं पहुंचाते तो अधिकारिक रूप से दुबई पुलिस में केस दर्ज कराया जाएगा और ऐसा होता है तो मोहसिन नकवी कीं गिरफ़्तारी होना तय है और उनको जेल भी जाना पड़ सकता है. मोहसिन नकवी दुबई छोड़कर कर ट्रॉफी के साथ पाकिस्तान ना भाग पाएं, इसके लिए भी बीसीसीआई यूएई में लगातार बात कर रही है.

सी. एम. योगी की 'जीरो टॉलरेंस' नीति से यूपी में महिला सुरक्षा मजबूत, देश में अब 17वें स्थान यूपी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महिलाओं के खिलाफ अपराध पर जीरो टॉलरेंस नीति और मिशन शक्ति अभियान के प्रभावी कार्यान्वयन ने यूपी को महिलाओं की सुरक्षा के मामले में राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर स्थिति में ला खड़ा किया है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) की क्राइम इन इंडिया 2023 रिपोर्ट में योगी सरकार की बेहतर कानून व्यवस्था और महिलाओं सुरक्षा को लेकर सकारात्मक तस्वीर सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध दर राष्ट्रीय औसत से कम रही। वर्ष 2023 में महिलाओं से जुड़े 66,381 मामले दर्ज हुए, लेकिन प्रति लाख महिला आबादी पर अपराध दर केवल 58.6 रही, जो राष्ट्रीय औसत 66.2 से करीब 11 प्रतिशत कम है। इस आधार पर यूपी महिलाओं के खिलाफ अपराध दर में देशभर में 17वें स्थान पर है।

विभिन्न श्रेणियों में महिलाओं के खिलाफ अपराध में यूपी का बेहतरीन प्रदर्शन

वहीं प्रदेश में विभिन्न श्रेणियों में

महिलाओं के खिलाफ अपराध में भी उत्तर प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। रिपोर्ट के अनुसार, महिला सम्मान भंग (शील भंग) से जुड़े मामलों में भी यूपी राष्ट्रीय औसत से बेहतर स्थिति में रहा। देशभर में ऐसे मामलों की संख्या 83,891 रही और अपराध दर 12.4 रही। जबकि उत्तर प्रदेश में केवल 9,453 मामले दर्ज हुए और अपराध दर 8.3 रही। इस श्रेणी में यूपी अन्य राज्यों की तुलना में 19वें स्थान पर है।

वहीं, दुष्कर्म (IPC 376) के मामलों में भी उत्तर प्रदेश की स्थिति संतोषजनक रही। पूरे देश में ऐसे 29,670 मामले दर्ज हुए और अपराध दर 4.4 रही। वहीं यूपी में 3,516 मामले दर्ज हुए और अपराध दर 3.1 रही। इस आधार पर प्रदेश 22वें स्थान पर है, यानी राष्ट्रीय औसत से नीचे। बच्चों के यौन शोषण से जुड़े POCSO एक्ट के मामलों में भी यूपी की तस्वीर बेहतर दिखी। देशभर में कुल 67,694 मामले दर्ज हुए और अपराध दर 15.2 रही। वहीं उत्तर प्रदेश में 8,706 मामले दर्ज हुए और अपराध दर 10.2 रही। इस श्रेणी में यूपी देश में 24वें स्थान पर है, जो राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। यदि कुल मिलाकर देखा जाए तो महिलाओं के खिलाफ अपराधों में यूपी का क्राइम रेट 58.6 रहा, जबकि देश का औसत 66.2 था। इस लिहाज से यूपी कई बड़े राज्यों से बेहतर स्थिति में है।

मिशन शक्ति, सख्त कानून व्यवस्था और कार्रवाई का दिख रहा असर

महिला अपराध दर में आई कमी केवल पुलिस की सक्रियता का परिणाम नहीं है, बल्कि महिलाओं की शिकायत दर्ज कराने की बढ़ती प्रवृत्ति और त्वरित कानूनी कार्रवाई का भी नतीजा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मिशन शक्ति अभियान ने महिलाओं को आत्मविश्वास दिया है कि वे अपने अधिकारों के लिए खुलकर आगे आएं। घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न और छेड़छाड़ जैसे मामलों में त्वरित कार्रवाई से न्याय सुनिश्चित हुआ है।

अतीक का बेटा अली अब नैनी नहीं झांसी जेल में होगा कैद- उमेश पाल केस का आरोपी हाई सिक्योरिटी में बंद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

माफिया अतीक अहमद के बेटे अली अहमद की जेल बदलने की तैयारी हो रही है। प्रयागराज की नैनी जेल से उसे झांसी जेल में स्थानांतरित किया जाएगा। शासन से इस बारे में आदेश जारी हो चुका है और झांसी जेल प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। अली अहमद पर उमेश पाल हत्याकांड का आरोप है। उसने 30 जुलाई 2022 को कोर्ट में सरेंडर किया था। इससे पहले वह कई महीनों तक फरार रहा और पुलिस को चकमा देता रहा।

अली अहमद की सुरक्षा कड़ी, झांसी जेल में होगी शिफ्टिंग

मिली जानकारी के मुताबिक, प्रशासन अली की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह सतर्क

है। उसे झांसी जेल की हाई सिक्योरिटी बैरक में रखा जाएगा और सीसीटीवी कैमरों के जरिए कड़ी निगरानी रखी जाएगी। नैनी जेल में भी अली को कड़ी सुरक्षा में रखा गया था। बताया जा रहा है कि अली को आज शाम या कल सुबह तक झांसी जेल भेजा जा सकता है। इस आदेश की कॉपी नैनी जेल प्रशासन को भी मिल चुकी है।

अली अहमद पर रंगदारी और हत्या की साजिश का आरोप

नैनी जेल में अली की बैरक में कैश मिलने के बाद उसे 'तन्हाई घर '(सोलिटरी कंफाइनमेंट) में रखा गया था। अब शासन ने माफिया के बेटे को प्रयागराज से झांसी जेल भेजने का फैसला लिया है। अली पर प्रॉपर्टी डीलर जीशान उर्फ जानू से 5 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने का भी आरोप है। पुलिस के मुताबिक, नैनी जेल में रहते हुए अली ने अपने छोटे भाई असद और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर उमेश पाल हत्याकांड की साजिश रची थी। इस मामले में उसका बड़ा भाई उमर अहमद लखनऊ जेल में बंद है, जबकि छोटा भाई असद, पिता अतीक अहमद और चाचा अशरफ अब नहीं रहे। अली अहमद की झांसी जेल में शिफ्टिंग के बाद सुरक्षा व्यवस्था और जांच प्रक्रिया और कड़ी हो जाएगी।

पहले पिलाई शराब, फिर रेता गला, तंत्र विद्या में सिद्धि पाने के लिए युवक ने दी दोस्त की बलि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

झारखंड के जमशेदपुर में तंत्र विद्या और तंत्र शक्ति प्राप्त करने के अंधविश्वास के चक्कर में पड़कर एक युवक ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं. युवक ने अपने ही दोस्त को पहले जमकर शराब पिलाई. फिर देर रात उसे अपने घर के कमरे में ले जाकर तेज धार हथियार से उसकी गला रेतकर हत्या कर दी. मृतक की पहचान अजय उर्फ झंटू के रूप में के रुप में की गई है. घटना जमशेदपुर के गोलमुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत गाढ़ाबासा की है. आरोपी युवक का नाम संदीप कुमार है. वो गाढ़ाबासा का रहने वाला है. इस खौफनाक घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया. स्थानीय लोगों ने तत्काल हत्या के आरोपी युवक को पड़कर गोलमुरी थाना की पुलिस को पूरी घटना की सूचना दी. फिर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल अजय को इलाज के लिए टाटा मेडिकल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आरोपी युवक को किया गया गिरफ्तार

इधर बर्बरतापूर्वक हत्याकांड के आरोपी

मृतक के दोस्त संदीप कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया. पुलिस पूरी घटना की गहनता से जांच में जुट गई है. संदीप कुमार तंत्र विद्या की सिद्धि के लिए अपने ही साथ काम करने वाले अपने दोस्त अजय उर्फ झंटू को पहले साजिश के तहत अपने साथ सोमवार की शाम अपने घर ले गया. वहां उसे जमकर शराब पिलाई. फिर देर रात 12 बजते ही उसका गला रेत दिया. स्थानीय लोगों के मुताबिक, मृतक अजय उर्फ झंटू और हत्या का आरोपी संदीप कुमार दोनों एक ही दुकान में काम करते थे. दोनों में गहरी दोस्ती थी, लेकिन संदीप अंधविश्वासी था और तंत्र विद्या में उसकी काफी रुचि थी. इसी अंधविश्वास के चक्कर में उसने अपने ही दोस्त की बलि दे दी. नवरात्र जैसे पावन अवसर पर हत्या की ये घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई है।

तंत्र सिद्धि के चक्कर में हत्या की ये पहली घटना नहीं

आधुनिकता के इस दौर में झारखंड में अंधविश्वास, जादू टोना और तंत्र सिद्धि के चक्कर में बर्बरतापूर्वक हत्या किए जाने की यह कोई पहली घटना नहीं है. जमशेदपुर की इस घटना से पहले सितंबर महीने में ही झारखंड के चतरा जिला के टंडवा थाना क्षेत्र खूंटीटोला गांव से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई थी, जहां ओझा गुनी की आशंका में दबंगों ने एक व्यक्ति की बर्बरतापूर्वक हत्या कर दी थी. हत्या से पहले आरोपियों ने धारदार हथियार से मृतक की जीभ काट डाली था. इसके बाद उसकी लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी. इतना ही नहीं हत्याकांड को अंजाम देने के बाद दबंगों ने मृतक के शव को जला डाला था. मृतक की पहचान धर्मदेव उरांव के रूप में की गई थी. ओझा गुनी की आशंका में धर्मदेव उरांव की बर्बरतापूर्वक जीभ काटकर हत्या के बाद उसकी लाश को जलाए जाने के मामले में चतरा जिला की टंडवा थाना की पुलिस ने कुल 6 लोगों को गिरफ्तार किया था।

गांधी का ग्राम स्वराज और आज की राजनीति

[गांधीवाद आज- जब मूल्यों की गति बदल रही है]

आज का युग तकनीकी उन्नति, वैश्वीकरण और जटिल सामाजिक-राजनीतिक गतिशीलता का दौर है, जहां हर क्षेत्र में परिवर्तन की तीव्र गति दिखाई देती है। ऐसे में महात्मा गांधी और उनके दर्शन, गांधीवाद की प्रासंगिकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। क्या अहिंसा, सत्य, स्वदेशी और सर्वोदय जैसे सिद्धांत आज की सत्ता-केंद्रित राजनीति और उपभोक्तावादी संस्कृति में प्रासंगिक हैं? गांधी का जीवन और विचार आज भी हमें प्रेरित करते हैं, लेकिन आधुनिक संदर्भों में उनकी व्याख्या और अनुप्रयोग की राह आसान नहीं है। फिर भी, उनके विचार मानवता, नैतिकता और सामाजिक न्याय की ऐसी नींव प्रदान करते हैं, जो समय की कसौटी पर खरी उतरती है।

गांधी का दर्शन केवल स्वतंत्रता संग्राम तक सीमित नहीं था; यह एक समग्र जीवन पद्धति थी, जो मानवीय मूल्यों और सामाजिक समानता पर टिकी थी। उनकी अहिंसा का सिद्धांत न केवल ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ एक शक्तिशाली हथियार था, बल्कि छुआछूत, जातिगत भेदभाव और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ भी प्रभावी रहा। आज, जब हिंसा आतंकवाद, सांप्रदायिक तनाव और डिजिटल युग की विषाक्त बहसों के रूप में वैश्विक स्तर पर फैल रही है, गांधी की अहिंसा एक वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। यह केवल शारीरिक हिंसा से परहेज नहीं, बल्कि मन, वचन और कर्म में शुद्धता का आह्वान करती है। सोशल मीडिया पर बढ़ते ध्रुवीकरण और आक्रामकता के दौर में, गांधी का संयम और सहानुभूति पर आधारित यह सिद्धांत न केवल प्रासंगिक है, बल्कि अत्यंत आवश्यक

भी है। यह हमें त्वरित प्रतिक्रियाओं के बजाय गहन चिंतन और संवाद की राह दिखाता है।

गांधी का स्वदेशी का सिद्धांत आज के पर्यावरणीय संकट और जलवायु परिवर्तन के दौर में नई प्रासंगिकता ग्रहण करता है। स्वदेशी केवल विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार नहीं, बल्कि स्थानीय संसाधनों का सम्मान, आत्मनिर्भरता और टिकाऊ जीवनशैली का प्रतीक था। आज, जब उपभोक्तावाद और संसाधनों का अंधाधुंध दोहन पर्यावरण को नष्ट कर रहा है, गांधी की सादगी और न्यूनतम संसाधन उपयोग की वकालत एक प्रभावी समाधान बन सकती है। भारत में 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलें, भले ही आंशिक रूप से, गांधी के स्वदेशी सिद्धांत से प्रेरित हैं, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था और छोटे उद्यमों को बढ़ावा देती हैं। हालांकि, वैश्विक व्यापार और बड़े पैमाने पर उत्पादन पर आधारित आधुनिक अर्थव्यवस्था में स्वदेशी को पूरी तरह लागू करना चुनौतीपूर्ण है। फिर भी, गांधी का यह विचार हमें पर्यावरणीय जिम्मेदारी और टिकाऊ विकास की दिशा में सोचने के लिए प्रेरित करता है।

आज के युग में, जब आर्थिक असमानता, सत्ता का दुरुपयोग और पर्यावरणीय संकट वैश्विक चुनौतियां बन चुके हैं, गांधी का सर्वोदय सिद्धांत–सभी के कल्याण का दर्शन–एक प्रेरक मार्गदर्शक बन सकता है। विश्व बैंक के अनुसार, भारत में धन का असमान वितरण तेजी से बढ़ रहा है। गांधी का मानना था कि समाज का सच्चा विकास तभी संभव है, जब उसका सबसे कमजोर तबका सशक्त हो। यह विचार आज के सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के लक्ष्यों के साथ गहराई से जुड़ता है। फिर भी, सरकारी नीतियां और योजनाएं अक्सर तात्कालिक लाभ और वोट बैंक की राजनीति के जाल में फंसकर गांधीवादी दृष्टिकोण से भटक जाती हैं। यदि नीति-निर्माता सर्वोदय को अपनाएं, तो यह असमानता के खिलाफ एक प्रभावी उपाय हो सकता है, जो समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाने की दिशा में काम करेगा।

गांधी की राजनीतिक दृष्टि–सत्ता को जनसेवा का साधन मानने की सोच–आज की भ्रष्टाचार और नैतिक पतन से ग्रस्त राजनीति में एक कठिन लेकिन आवश्यक आदर्श प्रस्तुत करती है। उनका ग्राम स्वराज का सपना, जो स्थानीय भागीदारी और आत्मनिर्भरता पर आधारित था, पंचायती राज में आंशिक रूप से दिखता है, पर केंद्रीकृत शासन और नौकरशाही की जटिलताएं इसे पूरी तरह लागू होने से रोकती हैं। गांधी का सत्याग्रह–नैतिक और अहिंसक प्रतिरोध–आज के हिंसक और राजनीति से प्रेरित आंदोलनों के बीच दुर्लभ है। फिर भी, 'चिपको आंदोलन' जैसे पर्यावरणीय अभियानों या सामाजिक न्याय के लिए शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में गांधीवादी तत्वों की झलक मिलती है, जो उनके विचारों की जीवंतता को दर्शाती है।

गांधी के विचारों की ताकत उनकी सार्वभौमिकता और लचीलेपन में निहित है। उनकी 'नई तालीम' की अवधारणा, जो शिक्षा को आत्मनिर्भरता और नैतिकता से जोड़ती थी, आज की डिग्री-केंद्रित और कौशल-प्रधान शिक्षा प्रणाली के लिए एक वैकल्पिक दृष्टिकोण पेश करती है। यह शिक्षा को केवल रोजगार का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और व्यक्तिगत विकास का आधार बनाती है। हालांकि, गांधीवादी तरीकों की धीमी गति और धैर्य की मांग आधुनिक समाज की त्वरित परिणामों की चाहत के सामने चुनौती बनती है।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि गांधी के नाम का तो खूब उपयोग होता है–उनकी जयंती पर मूर्तियों को माला पहनाई जाती है–पर उनके सिद्धांतों को व्यवहार में लाने की इच्छाशक्ति कमजोर दिखती है। फिर भी, पर्यावरण कार्यकर्ता, सामाजिक सुधारक और शांति के पैरोकार आज भी गांधी से प्रेरणा लेते हैं। चाहे वह डिजिटल युग की विषाक्तता के खिलाफ अहिंसा हो, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए स्वदेशी हो, या सामाजिक समानता के लिए सर्वोदय–गांधी के विचारों को आधुनिक संदर्भों में ढालकर लागू किया जा सकता है।

गांधी का सबसे शक्तिशाली संदेश था–परिवर्तन की शुरुआत स्वयं से करनी होती है। यदि आज का समाज और राजनीति इस संदेश को आत्मसात कर ले, तो गांधीवाद न केवल प्रासंगिक रहेगा, बल्कि एक न्यायपूर्ण, टिकाऊ और समावेशी विश्व की नींव बन सकता है। उनके विचार हमें याद दिलाते हैं कि सच्चा बदलाव धीमा हो सकता है, लेकिन उसका प्रभाव गहरा और स्थायी होता है।

प्रो. आरके जैन

दशहरा- मनुष्य को रावण बनने से बचना होगा

दशहरा भारत का ऐसा पर्व है जो केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना का भी वाहक है। यह पर्व हमें यह स्मरण कराता है कि चाहे किसी के पास रावण जैसी अपार शक्ति, ज्ञान और समृद्धि क्यों न हो, यदि वह अहंकार और अधर्म से दूषित है तो उसका पतन निश्चित है। त्रेतायुग की रामकथा इसका प्रमाण है, जब भगवान श्रीराम ने रावण का वध कर धर्म, सत्य और मर्यादा की पुनर्स्थापना की। तभी से प्रत्येक वर्ष दशहरे पर रावण दहन के माध्यम से समाज को यह सन्देश दिया जाता है कि काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, अन्याय, अत्याचार और छल जैसी प्रवृत्तियाँ अंततः मनुष्य को रावण बना कर विनाश की ओर ले जाती हैं। दशहरा उत्सव केवल औपचारिकता के रूप में रावण का पुतला जलाने तक सीमित न रह जाए, यही इसकी आत्मा है। असली चुनौती मनुष्य द्वारा अपने भीतर छिपे रावण को पहचानने और उसे समाप्त करने की है। यदि हम बाहर के रावण को जलाते रहेंगे लेकिन भीतर के रावण को पोषित करते रहें, तो दशहरे का सन्देश अधूरा रह जाएगा। आज समाज में कई ऐसी बुराइयाँ पनप रही है जिनकी जड़ें गहराई तक प्रवेश करती जा रही हैं। चिंता का विषय यही है कि कहीं ये बुराइयां मनुष्य को धीरे-धीरे रावण की श्रेणी में ला कर खड़ा न कर दे? रावण में निहित निम्न बुराइयां आज के मनुष्य के एक बड़े वर्ग में सहजता से देखी जा सकती हैः-

अहंकार - आज के मानव में धन, पद, शक्ति या ज्ञान पाते ही घमंडी व्यवहार करना आम हो गया है। यही रावण का मूल दोष था।

क्रोध - छोटी-सी-छोटी बात पर आज के मानव द्वारा हिंसा का सहारा लिया जाता है।क्रोध के कारण घरेलू कलह, सड़क पर झगड़े और अपराध बढ़ रहे हैं। यह न केवल पारिवारिक शांति को भंग कर रहे हैं, बल्कि सामाजिक सौहार्द को भी कमजोर कर रहे हैं।

लोभ -भौतिक सुख और धन की अंधी दौड़ ने मनुष्य में भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और शोषण को जन्म दिया है। वास्तव में लोभ ही अनैतिक आचरण की जड़ है,यह मनुष्य को समझना होगा। वासना - आज के समाज में यौन अपराधों और अनैतिक संबंधों की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। विडम्बना यह है कि रामायण का रावण, जिसने सीता-हरण किया, सीता को लंका की रानी बनाने की अनैतिक इच्छा भी रखी पर उसने कभी भी उन्हें जबरन हवस का शिकार नहीं बनाया। इसके विपरीत आज का विकृत मनुष्य-रिश्तों, उम्र और मर्यादाओं की परवाह किए बिना नारी की गरिमा को ठेस पहुंचा रहा है और अस्मिता को रौंद रहा है।

असत्य और छल - झूठ, वादाखिलाफी और धोखा आज जीवन का हिस्सा बनते जा रहे हैं, जिससे आपसी विश्वास टूट रहा है।

ईर्ष्या और द्वेष -भारत जैसे देश में जाति, धर्म, भाषा या वर्ग के आधार पर नफरत फैलाना, दूसरों की प्रगति से असहज होना, सामाजिक सौहार्द को कमजोर करना और विघटनकारी ताकतों को बल देने जैसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।यह देश की प्रगति के लिए किसी भी दृष्टि से सही नहीं है।

अनुशासनहीनता- किसी भी समाज के व्यक्तियों द्वारा कानून और संविधान की अवहेलना, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाना, कानून को अपने हाथों में लेना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।हमारे देश में इस तरह की घटनाएं आए दिन देखने को मिलती हैं।क्या यह सामाजिक पतन का प्रतीक नहीं है? देश वासियों को इस पर विचार करना होगा ।

नशावृत्ति - शराब, ड्रग्स और जुए की लत व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए हानिकारक है। इन्हें विकृत मानसिकता और अपराध का जनक भी कहा जाता। अतः मानव श्रेष्ठ के लिए इनसे बचना ही उचित है। अनैतिक दोहन - रावण की तरह ही आज भी मनुष्य का एक बड़ा वर्ग अपनी शक्तियों और साधनों का दुरुपयोग कर प्रकृति, गरीबों और कमजोरों का शोषण कर रहा है।

स्वार्थपरता - व्यक्तिगत और पारिवारिक हितों को राष्ट्रहित से ऊपर रखना और दूसरों की पीड़ा के प्रति असंवेदनशील बने रहना आज की बड़ी समस्या है। इन बुराइयों से ग्रस्त व्यक्ति चाहे कितना ही सभ्य और शिक्षित क्यों न दिखाई दे, धीरे-धीरे ÷मानव÷ से ÷रावण÷ बनता जाता है। भगवद्गीता (16.4) में स्पष्ट कहा गया है ÷दम्भो दर्पोऽभिमानश्च क्रोधः पारुष्यमेव च। अज्ञानं चाभिजातस्य पार्थ सम्पदामासुरीम॥÷इसका अर्थ यही है कि दम्भ (पाखंड), दर्प (अहंकार), अभिमान (घमंड), क्रोध, कठोरता और अज्ञानता आदि सब आसुरी स्वभाव के लक्षण हैं।वहीं महाभारत (शान्ति पर्व, 109.10) में कहा गया है कि "धर्म नानुचरन्ति ये ते नराः पशवो हि ते।"जिसका अर्थ है कि जो लोग धर्म का पालन नहीं करते, वे मनुष्य होकर भी पशु समान हैं। अतः हर वर्ष दशहरे पर रावण के पुतले का दहन हमें यह याद दिलाता है कि असली रावण बाहर नहीं, हमारे भीतर है और उसका दहन आत्मसंयम, सत्य, नैतिकता, करुणा और मर्यादा के आचरण से ही संभव है। जब तक हम अपने भीतर की बुराइयों/रावण को समाप्त नहीं करेंगे, तब तक इस पर्व का वास्तविक उद्देश्य पूरा नहीं होगा।

डा मनमोहन प्रकाश

ठंडे रेगिस्तान में आग किसने भड़काई ?

ऐसा माना जाता है कि फिल्म थ्री इडियट के मुख्य किरदार फुनसुख वांगडू की जो भूमिका आमिर खान ने निभाई थी, वह लेह-लद्दाख के पर्यावरण और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की जिंदगी पर आधारित थी। लोग उन्हें जानते थे लेकिन फिल्म के साथ वे पूरे भारत के दिल में बस गए। विडंबना देखिए कि अब लेह में हुई हिंसा के साथ कई आरोपों से वे घिर गए हैं। पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर चुकी है। सवाल ये है कि क्या वांगचुक वाकई जिम्मेदार हैं या कुछ और छिपी ताकतें हैं जो सरहद पर भारत को कमजोर करने की साजिश रच रही हैं?

लेह में हुई हिंसा में अब तक चार लोगों की मौत हुई है और बहुत सारे लोग घायल हुए हैं। हिंसा के कारणों को समझने से पहले यह समझिए कि मसला क्या है? लद्दाख इलाके का नाम है और लेह उसका प्रमुख शहर है। लद्दाख पहले जम्मू-कश्मीर राज्य का हिस्सा था। मगर वहां के लोग खुद को हमेशा उपेक्षित महसूस करते थे। आजादी के कुछ ही साल बाद लद्दाख बौद्ध एसोसिएशन के तत्कालीन अध्यक्ष छेवांग रिंग्जिन ने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को पत्र लिखा था कि लद्दाख को जम्मू-कश्मीर से अलग किया जाना चाहिए क्योंकि यह इलाका धर्म, नस्ल, भाषा और संस्कृति के आधार पर कश्मीर से बिल्कुल अलग है। लद्दाख के ही एक प्रभावशाली नेता लामा कुशक बाकुला ने तो शेख अब्दुल्ला से नाराज होकर यहां तक धमकी दे दी थी कि यदि लद्दाख की मांगें नहीं मानी गईं तो तिब्बत के साथ जाने की भी सोच सकते हैं। वह केवल धमकी थी लेकिन लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के लिए शांतिपूर्ण आंदोलन चलता रहा। साल 1979 में जब लद्दाख क्षेत्र का दो जिलों में परिसीमन किया गया तब मुस्लिम बहुल आबादी के कारण कारगिल को एक अलग जिला बनाया गया और बौद्ध बहुल आबादी के कारण लेह को अलग लेकिन इसके बाद लद्दाख के बौद्धों ने आरोप लगाने शुरू किए कि जम्मू-कश्मीर राज्य बौद्धों के मुकाबले मुस्लिमों के प्रति सहानुभूति रखता है। इसी असंतोष के कारण 1989 में हुए आंदोलन में तीन लोगों की जान चली गई थी। अंततः 2019 में जब जम्मू-कश्मीर राज्य का पुनर्गठन हुआ और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश बना तो इस पूरे इलाके में खुशियां छा गई थीं। हर ओर जश्न मनाया जा रहा था। स्वयं वांगचुक ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खुले दिल से प्रशंसा की। इसीलिए यह सवाल पैदा होता है कि जो इलाका केंद्र शासित प्रदेश के रूप में वजूद में आकर जश्न मना रहा था, वहां कुछ ही वर्षों में राज्य का दर्जा प्राप्त करने और छठी अनुसूची में शामिल होने की भूख कहां से जाग गई? ज्यादातर लोगों को तो शायद यही पता नहीं होगा कि छठी अनुसूची आखिर है क्या? आपकी जानकारी के लिए बता दें कि छठी अनुसूची चार पूर्वोत्तर राज्यों- असम, मेघालय, मिजोरम, और त्रिपुरा के जनजातीय इलाकों के लिए एक प्रशासनिक प्रावधान है जिसका मकसद वहां की संस्कृति, जमीन व अन्य संसाधनों की रक्षा करना है। निश्चित ही लेह की संस्कृति की रक्षा होनी चाहिए, संसाधनों पर मूल अधिकार वहीं के लोगों का होना चाहिए मगर इसके लिए हिंसा तो सर्वथा अनुचित है।

लद्दाख के लोग बहुत भोले हैं। मैं कई बार वहां गया हूं। पिछली बार जब कारगिल में सेना के जवानों के लिए लोकमत की ओर से निर्मित गर्म घरों का शुभारंभ करने मैं और मेरे अनुज राजेंद्र वहां गए थे तब हम जाते और आते समय कुछ देर के लिए लेह में रुके थे। रास्ते में रुक कर वहां के लोगों से बातचीत भी की थी। दिसंबर-जनवरी में तो तापमान शून्य से दस डिग्री से भी ज्यादा नीचे गिर जाता है। ठंडा रेगिस्तान कहे जाने वाले इस इलाके में जीवन बहुत कठिन है। यहां के लोग शांति प्रिय हैं। वे अपने इलाके की संस्कृति को सहेजने के प्रति बेहद जागरूक हैं। आपको आश्चर्य होगा कि लद्दाख में पॉलीथिन पर सामाजिक प्रतिबंध के पचास साल से ज्यादा हो गए। ऐसे इलाके के लोग अगर हिंसा पर उतारू हो जाएं तो आश्चर्य होना स्वाभाविक है। सामान्य तौर पर लोगों का कहना है कि पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक 10 सितंबर को 35 दिनों के लिए भूख हड़ताल पर बैठे थे। उनके समर्थन में लेह अपेक्स बॉडी (एलएबी) की युवा शाखा ने लेह बंद का आह्वान किया। सब कुछ ठीक-ठाक था। लेह का पूरा बाजार बंद था लेकिन इसी दौरान कुछ लोगों ने भाजपा कार्यालय पर पत्थर फेंके। परिसर की एक इमारत को आग लगा दी और कुछ वाहन भी फूंक दिए। उसके बाद पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने उपद्रवियों को काबू में करने की कोशिश की, गोलियां चलीं, आंसू गैस के गोले छोड़े गए और काफी लोग घायल हुए। इस स्थिति से आहत सोनम वांगचुक ने अपनी हड़ताल खत्म कर दी। उन्होंने बस इतना कहा कि युवा हताश हैं लेकिन हिंसा नहीं करनी चाहिए। पुलिस ने हिंसा को लेकर लेह के कांग्रेस पार्षद फुंटसोग स्टेनजिग त्सेपाग के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है, सोनम वांगचुक की संस्था पर भी नकेल कसी जा रही है। उनकी संस्था विदेशों से धनराशि नहीं ले पाएगी। मगर एक सवाल अनुत्तरित है कि सोनम वांगचुक या कोई भी ऐसी हिंसा को बढ़ावा क्यों देगा जब लद्दाख के प्रतिनिधियों के साथ केंद्र सरकार की लगातार बातचीत हो रही है। छह अक्तूबर को फिर एक वार्ता निर्धारित है जिसमें एलएबी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस भी शामिल होने वाली है। हिंसा से तो लद्दाख को अलग राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग कमजोर ही होगी। सीधा सा अर्थ है कि किसी ने युवाओं को गुमराह करने की कोशिश की है। वो कौन है? क्या वो अपने भीतर से है या कहीं कोई बाहरी शक्ति तो इसमें शामिल नहीं है? जवाब तलाशना बहुत जरूरी है क्योंकि लद्दाख चीन की सरहद के पास है और वहां कोई भी आंतरिक कमजोरी हमारे लिए उतनी ही घातक हो सकती है जितनी कि कश्मीर घाटी में साबित हो रही है। मेरा मानना है कि हमें लद्दाख के लोगों की भावनाओं को सम्मान देना होगा और यह भी समझना पड़ेगा कि सोनम वांगचुक कोई राष्ट्रविरोधी व्यक्ति नहीं हैं। वे लद्दाख को उसके मूल स्वरूप में जिंदा रखना चाहते हैं। हमें यह भी समझना होगा कि दुनिया की बहुत सी ताकतें भारत के खिलाफ खड़ी हैं क्योंकि भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत उन्हें सुहा नहीं रही है। हम गलती से भी ऐसा कुछ न करें कि उन ताकतों के हाथ में हमारे हथियार आ जाएं।

संपादकीय

कौन कर रहा है जेनजी की तर्ज पर जेनएम की साजिश?

बारावफात के त्योहार पर यूपी के कानपुर में 'आई लव मोहम्मद' बैनर को लेकर शुरू हुआ विवाद अब उत्तर प्रदेश से लेकर उत्तराखंड तक फैल गया है. कानपुर में बारावफात जुलूस के दौरान प्रशासन की अनुमति वाले स्थान और समय का उल्लंघन कर जानबूझकर भीड़ को उकसाया गया इस पर आपत्ति जताए जाने के बाद हिंदू और मुस्लिम समुदाय के बीच तनाव गए थे. इसके बाद पुलिस ने उपद्रव की आशंकाओं को देखते हुए प्रशासन ने एफआईआर दर्ज की,अब कुछ लोगों ने मुस्लिम समुदाय को भड़काने के लिए सोशल मीडिया पर वायरल किया कि यूपी पुलिस ने आइ लव मोहम्मद के बैनर को लेकर एफआईआर दर्ज की है जबकि इस बैनर का एफआईआर में कोई लेना देना नहीं है। इस तरह आक्रोश फैलाने की साजिश के तहत मुस्लिमों में गलत संदेश फैला कर उकसावा किया गया फलस्वरूप विरोध में कई शहरों में मुस्लिम समुदाय ने जुलूस निकाले. वहीं, कुछ स्थानों पर 'सर तन से जुदा' जैसे भड़काऊ नारे भी लगाए गए, जिससे तनाव और बढ़ गया।

दरअसल इस सारे विवाद के पीछे इंटेलिजेंस को जो भनक मिली है वह चौकाने वाली है कुछ लोग नैपाल के जेनजी के तर्ज पर जेन एम (यूथ मुसलिम) को अफवाहों के जरिए और भड़कीले बयानबाजी कर सड़कों पर लाकर अराजकता फैलाने का मंसूबा देख रहे हैं। बता दें 4 सितंबर को कानपुर में 'आई लव मोहम्मद' बैनर को लेकर शुरू हुआ विवाद अब कई शहरों में फैल गया है. कानपुर में एफआईआर दर्ज होने के बाद कई शहरों में मुस्लिम समुदाय ने विरोध प्रदर्शन किए. महाराजगंज और उन्नाव में बिना अनुमति जुलूस निकालने और पुलिस पर पथराव के आरोप में एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारियां की गई. बरेली में डॉ. नफीस का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह इंस्पेक्टर को धमकी दे रहे हैं कि पोस्टर हटाने पर 'हाथ काट दूंगा'। कानपुर में बिना अनुमति के निकले इस जुलूस में लोगों ने सड़क किनारे एक टेंट लगाकर उस पर 'आई लव मोहम्मद' का पोस्टर लगा दिया. इस टेंट को लेकर दूसरे पक्ष ने पुलिस से आपत्ति दर्ज कराई तो पुलिस ने जुलूस में नई प्रथा शुरू ना करने को कहते हुए टेंट हटा दिया. अब टेंट हटा तो पोस्टर भी हट गया.पुलिस के टेंट हटवाने की कार्रवाई से जुलूस में शामिल लोग नाराज हो गए. अचानक बिगड़ते हालात को देखते हुए पुलिस ने लोगों को हटाया इसमें 9 नामजद और 15 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

जैसे जैसे माहौल सामान्य हो रहा था लेकिन राजनैतिक बयानबाजी ने माहौल को गर्म कर दिया. नतीजा ये हुआ कि कानपुर से निकला विवाद यूपी के कई शहरों में फैल गया. इसके बाद इसका असर राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र समेत कुछ और राज्यों में दिखाई दिया. कुछ शहरों में तो इस मुद्दे पर प्रदर्शन के दौरान हिंसा भी हुई। उत्तर प्रदेश में आइ लव मौहम्मद के नाम पर शहर शहर में एक विशेष समुदाय के लोगों को सड़क पर उतर कर उग्र प्रदर्शन करने की साजिश को अंजाम दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के औरैया में भी ऐसा ही एक वीडियो वायरल हुआ, जिसके बाद पुलिस ने गंभीरता से कार्रवाई की. उन्नाव और महाराजगंज में बिना अनुमति जुलूस निकालने और पुलिस पर पथराव करने के आरोप में कई लोगों पर एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारियां की गईं। जबकि, बरेली में एक आईएमसी नेता ने तो पोस्टर हटाने पर इंस्पेक्टर को धमकी तक दे डाली. दरअसल शहर में दो अलग-अलग घटनाओं ने माहौल तनाव पूर्ण कर दिया. पहली घटना किला थाना क्षेत्र की है, जहां 'आई लव मुहम्मद' लिखे पोस्टर हटाने पर इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल नेता डॉ. नफीस का विवादित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. जिसमें वह खुलेआम लोगों से कह रहे हैं मैंने इंस्पेक्टर के बहुत गालियां दी है, पोस्टर हटाए तो हाथ काट दूंगा. वीडियो में वह थाना प्रभारी को खुलेआम धमकी देते नजर आ रहे हैं. इसके अलावा बरेली के ही थाना प्रेम नगर जहां इंस्टाग्राम पर धार्मिक भावनाएं भड़काने वाली पोस्ट सामने आने से तनाव फैल गया।

उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद स्थानीय धर्मगुरु और इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा के आह्वान पर प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने पहले समझाया नहीं मानने पर लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कर दिया गया।बरेली के बाद अब मऊ में पथराव और लाठीचार्ज हुआ है. मऊ के मोहम्मदाबाद गोहना में आज जुमे की नमाज़ के बाद युवा लड़कों की भीड़ ने उपद्रव करने की कोशिश की. सैकड़ों की संख्या में 15-20 साल के लड़के इकट्ठे होकर नारेबाज़ी करने लगे. पुलिस पर पत्थरबाजी की गई . जवाब में पुलिस ने लाठीचार्ज करके भीड़ को हटाया. मऊ के मोहम्मदाबाद गोहना में अभी हालात नियंत्रण में है।

महराजगंज जिले के सक्सेना चौक पर 'आई लव मोहम्मद' का जुलूस निकाल रहे लोगों को पुलिस ने रोक दिया. पुलिस बिना अनुमति जुलूस निकालने के आरोप में 4 नामजद, 60 अज्ञात लोगों के विरुद्ध 189 (2), 223 बीएनस की धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए कार्यवाही कर रही है. पुलिस ने जुलूस में शामिल 9 गाड़ियों को भी सीज कर दिया है।

उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर में तो हालात इतने बेकाबू हो गए कि पुलिस को उपद्रवियों पर सख्त एक्शन लेना पड़ा. बुलडोजर भी चलाना पड़ा. फिलहाल, मास्टरमाइंड नदीम अख्तर समेत कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

इस विवाद में हुए बवाल के बाद उधम सिंह नगर प्रशासन पूरे एक्शन मोड में दिखाई दे रहा है. जुलूस के बाद बीते रोज प्रशासन के द्वारा किए गए बुलडोजर एक्शन और बिजली विभाग के द्वारा की गई सख्ती दूसरे दिन भी जारी रही।

महाराष्ट्र के कल्याण शहर में मुस्लिम समुदाय की महिलाओं ने पैगंबर मोहम्मद के समर्थन में एक बड़ी रैली निकाली. इस रैली में सैकड़ों महिलाओं ने 'आई लव मोहम्मद' लिखे पोस्टर और बैनर दिखाते हुए भाग लिया. मामला शांति से निपट गया.

बरेली में 'आई लव मोहम्मद' विरोध प्रदर्शन पर उत्तर प्रदेश के मंत्री दानिश आज़ाद अंसारी ने कहा, "उत्तर प्रदेश की हमारी योगी सरकार हर जाति, धर्म, मजहब के सम्मान की रक्षा के लिए पूरी ईमानदारी के साथ खड़ी है। इन उग्र प्रदर्शनो के जरिए देश भर में एक समुदाय विशेष के लोगों को सरकार के खिलाफ सड़क पर उतारने की साजिश रची जा रही है दरअसल कुछ सरकार विरोधी तत्व विदेशी ताकतों की मदद और निर्देश पर देश भर में पडोसी देश नैपाल के जेनजी घटनाक्रम से प्रेरित हैं। यूपी में योगी बाबा बुरी तरह आक्रोश में है उनकी पुलिस ने लाठी फटकार कर अराजकता फैलाने वालों को खासा सबक सिखाया है और विभिन्न शहरों से पचास उपद्रवियों को हिरासत में लिया गया है शहर दर शहर पुलिस मार्च कर लोगों को आगाह कर रही है कि शांति और सुरक्षा के साथ किसी तरह की खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नैपाल दोहराने के मंसूबों को पहली टेस्टिंग में ही विफल कर दिया गया है।

मनोज कुमार अग्रवाल

जलवायु परिवर्तन के दौर में किसान की नई कहानी

[अनिश्चित मानसून, बदलती खेती- भारतीय किसान का नया संघर्ष]

मानसून, भारतीय कृषि की रीढ़, अब जलवायु परिवर्तन के कारण अनिश्चितता का प्रतीक बन चुका है। पहले, किसान प्रकृति की लय के साथ अपनी फसलों की योजना बनाते थे–बुआई से कटाई तक, सब कुछ मौसम के संगीत में बंधा था। लेकिन अब, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और ओलावृष्टि ने इस प्राचीन लय को भंग कर दिया है। यह केवल मौसम का बदलाव नहीं, बल्कि एक गहरा सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी परिवर्तन है, जो भारतीय किसानों की दिनचर्या, जीवनशैली और सामुदायिक ढांचे को पुनर्परिभाषित कर रहा है। यह परिवर्तन खेतों से कहीं आगे बढ़कर ग्रामीण भारत की आत्मा को झकझोर रहा है, जिसके कई आयाम अभी पूरी तरह उजागर नहीं हुए हैं। जलवायु परिवर्तन ने मानसून के स्वभाव को अप्रत्याशित बना दिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़े बताते हैं कि पिछले दो दशकों में मानसून की शुरुआत और समाप्ति में 7-10 दिनों की अनिश्चितता बढ़ी है। कुछ क्षेत्रों में 30% अधिक बारिश दर्ज हुई, तो कहीं सूखे की मार पड़ी। पहले, जून के मध्य में बुआई शुरू हो जाती थी, लेकिन अब किसान मौसम पूर्वानुमान ऐप्स और कृषि विशेषज्ञों की सलाह पर निर्भर हैं। यह बदलाव केवल तकनीकी नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्तर पर एक नई सोच की मांग करता है।

इस बदलाव का एक महत्वपूर्ण पहलू है तकनीक का अनिवार्य समावेश। पहले, पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित अनुभव ही खेती का आधार था। लेकिन अब, मिट्टी की नमी मापने वाले सेंसर, ड्रोन आधारित फसल निगरानी और मौसम डेटा ऐप्स किसानों के लिए जीवन रेखा बन गए हैं। मिसाल के तौर पर, पंजाब और हरियाणा के कुछ अग्रणी किसानों ने ड्रोन तकनीक से कीट प्रबंधन और सिंचाई को 20-30% अधिक कुशल बनाया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अनुसार, डिजिटल कृषि उपकरण अपनाने वाले किसानों की उत्पादकता में औसतन 15% की वृद्धि हुई है। लेकिन यह तकनीक सभी के लिए सुलभ नहीं है। भारत के 86% छोटे और सीमांत किसान वित्तीय और शैक्षिक बाधाओं के कारण इससे वंचित हैं, जिससे ग्रामीण भारत में डिजिटल असमानता की खाई चौड़ी हो रही है–नीति निर्माताओं के लिए यह एक गंभीर चुनौती है।

जलवायु परिवर्तन का असर केवल खेतों तक सीमित नहीं; यह ग्रामीण भारत की सामाजिक और मानसिक संरचना को भी गहरे स्तर पर प्रभावित कर रहा है। खेती यहाँ सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि एक सामुदायिक जीवनशैली है। गाँवों में त्योहार, सामूहिक मेलजोल और उत्सव जैसे गणेश चतुर्थी या होली पहले फसल चक्र के साथ जुड़ते थे। लेकिन अनिश्चित मानसून ने इस सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न किया है। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2015-16) के मुताबिक, ग्रामीण क्षेत्रों में तनाव और चिंता के मामले बढ़ रहे हैं, जिसमें कृषि पर निर्भरता और मौसम की अनिश्चितता प्रमुख कारण हैं। यह मानसिक स्वास्थ्य संकट अभी तक कम चर्चित है, लेकिन यह ग्रामीण भारत के सामाजिक ढांचे को धीरे-धीरे कमजोर कर रहा है। जलवायु परिवर्तन ने भारतीय किसानों के लिए आर्थिक जोखिमों को कई गुना बढ़ा दिया है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 50% से अधिक किसान कर्ज के बोझ तले दबे हैं, और मानसून की अनिश्चितता से फसल नुकसान इस ऋण चक्र को और गहरा रहा है। फसल की विफलता न केवल आय छीनती है, बल्कि अगली फसल के लिए निवेश की क्षमता को भी कमजोर करती है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाय) जैसे प्रयास राहत देने का वादा करते हैं, लेकिन 2022 तक केवल 49% किसानों ने इसका लाभ उठाया, और छोटे किसानों को जटिल दावा प्रक्रियाओं और भुगतान में देरी का सामना करना पड़ता है। यह स्थिति किसानों को नई तकनीकों और जोखिम प्रबंधन की ओर धकेल रही है, लेकिन बिना सरकारी और सामाजिक समर्थन के यह रास्ता कठिन है।

इस बदलते परिदृश्य में एक नई कृषि जीवनशैली उभर रही है, जो खेतों से परे तक फैल रही है। डिजिटल मंच जैसे ई-नाम (राष्ट्रीय कृषि बाजार) और कृषि विज्ञान केंद्र के ऑनलाइन प्रशिक्षण किसानों को वैश्विक कृषि रुझानों से जोड़ रहे हैं। उदाहरण के लिए, मध्य प्रदेश के एक किसान समूह ने e-NAM के जरिए जैविक उपज को शहरी बाजारों में बेचकर अपनी आय में बढ़ोतरी की। यह डिजिटल क्रांति न केवल आर्थिक लाभ दे रही है, बल्कि किसानों को आत्मविश्वास और स्वायत्तता भी प्रदान कर रही है। फिर भी, ग्रामीण भारत में डिजिटल साक्षरता और इंटरनेट की सीमित पहुँच–टेलीकॉम डेवलपमेंट रिपोर्ट 2023 के अनुसार केवल 35% ग्रामीण आबादी के पास विश्वसनीय इंटरनेट है–इस क्रांति को व्यापक बनाने में बाधा है। साथ ही, युवा पीढ़ी का कृषि के प्रति बदलता नजरिया एक और उल्लेखनीय परिवर्तन है। पहले खेती को मेहनत और अनिश्चितता से भरा माना जाता था, जिससे युवा शहरों की ओर पलायन कर रहे थे। लेकिन अब, डिजिटल उपकरणों, हाइड्रोपोनिक्स और वर्टिकल फार्मिंग जैसी आधुनिक तकनीकों ने खेती को आकर्षक और तकनीकी रूप से उन्नत बना दिया है। कर्नाटक के कुछ युवा किसानों ने इन तकनीकों को अपनाकर न केवल अपनी आय बढ़ाई, बल्कि स्थानीय रोजगार भी पैदा किया। हालांकि, यह बदलाव उन क्षेत्रों तक सीमित है जहाँ संसाधन और प्रशिक्षण उपलब्ध हैं। दूरस्थ ग्रामीण इलाकों में सरकार और गैर-सरकारी संगठनों को प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता के जरिए युवाओं को प्रोत्साहित करना होगा।

मानसून और जलवायु परिवर्तन ने भारतीय कृषि को एक चौराहे पर ला खड़ा किया है। यह सिर्फ फसलों और मौसम की कहानी नहीं, बल्कि तकनीकी नवाचार, सामाजिक परिवर्तन, मानसिक स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता का एक जटिल मिश्रण है। आज का किसान न केवल प्रकृति के साथ तालमेल बिठा रहा है, बल्कि डेटा, तकनीक और वैश्विक बाजारों के साथ भी कदम मिला रहा है। यह परिवर्तन चुनौतीपूर्ण है, लेकिन इसमें अपार संभावनाएँ हैं। यदि भारत डिजिटल साक्षरता, तकनीकी पहुँच और सामाजिक सहायता को बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाए, तो यह न केवल कृषि को, बल्कि ग्रामीण भारत की सामाजिक-आर्थिक संरचना को भी मजबूत कर सकता है। यह एक नया अध्याय है, जिसमें भारतीय किसान न केवल फसलों को उगा रहा है, बल्कि एक लचीला, आत्मनिर्भर और भविष्योन्मुखी भारत गढ़ रहा है।

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

चकरोड पर दबंग का कब्ज़ा, ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से कब्जा हटवाने की मांग

सिद्धार्थनगर। इटवा तहसील क्षेत्र के पेडारी तप्पा बुड्ढी गांव के दर्जनों ग्रामीण तुलसी, अर्जुन, राम अजोर ने जिलाधिकारी को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है कि उनके घर से निकलने का एकमात्र रास्ता चकरोड है, जिस पर गांव के दबंग व्यक्ति ने जबरन दीवार खड़ी कर कब्ज़ा कर लिया है। जिससे ग्रामीणों के घर से बाहर निकलना दूभर हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार एसडीएम इटवा से शिकायत कर चुके हैं। जिलाधिकारी द्वारा भी एसडीएम को निर्माण हटाने का आदेश दिया गया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। एसडीएम इटवा को भी कई प्रार्थना पत्र दे चुके हैं, फिर भी समस्या जस की तस बनी हुई है।

मवेशी छोड़कर तिल की फसल चराने का आरोप

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के रानीपुर गांव निवासी कमलाशंकर ने गांव की तीन लोगों पर अपनी बकरियों छोड़कर तिल खेत चरा लेने का आरोप लगाया। पीड़ित में पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों पर कार्रवाई की गुहार लगाई। रामशंकर ने बताया कि गांव के ही पास उसका 18 विस्वा खेत है। जिसमें तिल की फसल उगी हुई थी। रविवार की शाम को गांव के तीन लोगों ने अपनी बकरियों छोड़कर उसकी फसल को बकरियों से चरवा दिया। जिसे उसका करीब छह हजार का नुकसान हुआ है। उलाहना देने पर आरोपी मारपीट करने पर आमादा हो गए।

जिला उपाध्यक्ष निशांत पांडेय का शिक्षकों ने किया स्वागत सम्मान

लालगंज (रायबरेली)। प्राथमिक शिक्षक संघ संघर्ष समिति के नवमनोनीत जिला उपाध्यक्ष निशांत पांडेय का मंगलवार को अभिनंदन हुआ। जिला अध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ला ने उन्हें फूलमाला पहनाकर शुभकामनाएं दीं। शिक्षक साथियों ने उन्हें कर्मठ, सौम्य और मिलनसार बताते हुए माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस मौके पर जिला संयुक्त मंत्री डॉ. चंद्रमणि बाजपेई, कोषाध्यक्ष सुधीर सिंह, उपाध्यक्ष अनुराग शुक्ला और जटा शंकर बाजपेई मौजूद रहे। संगठन के डलमऊ अध्यक्ष योगेश सिंह, मंत्री कीर्ति मनोहर शुक्ला सहित सर्वेश शुक्ला, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, दुर्गेश मिश्रा और अमित सिंह ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली बीच सड़क पर पलटी, घंटों लगा रहा जाम

वाहनों की लगीं रहीं लम्बी लम्बी दोनों तरफ कतारें,हलाकान रहे राहगीर

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के रायबरेली रोड पर ब्लॉक कार्यालय के निकट मंगलवार को ईंटों से भरी एक ट्रैक्टर ट्रॉली अचानक बीच सड़क पर पलट गई। हादसे के बाद सड़क पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। इस दौरान यातायात ठप हो गया। जिससे राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहर बाद करीब तीन बजे एक ट्रैक्टर ट्रॉली ईंट लादकर कस्बे की ओर आ रही थी। तभी अचानक ट्रॉली का पहिया निकल गया और वह बीच सड़क पर पलट गई। हादसे में किसी को कोई हानि तो नहीं हुई लेकिन ट्रॉली के बीच सड़क में अटकने के कारण जाम लग गया। छोटे वाहन चालक किसी तरह बगल के रास्ते से निकलने में सफल रहे, लेकिन बड़े वाहन जाम में फंस गए। करीब डेढ़ घंटे तक राहगीर और वाहन चालक जाम में फंसे रहे। इस दौरान स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और सड़क से ईंटों को हटाने का प्रयास शुरू किया। ईंटों को दूसरी ट्रॉली में लादकर भेजा गया। क्षतिग्रस्त ट्रैक्टर ट्रॉली को सड़क से हटाया गया। इसके बाद जाकर आवागमन सामान्य हो सका।

ग्राम पंचायत में फर्जी परिवार रजिस्टर मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अंबेडकर नगर। ग्राम भिउरा के वर्तमान प्रधान पवन सिंह ने ग्राम अहिरौली के प्रधान संदीप कुमार के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए प्रार्थना पत्र जिला प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किया है। प्रार्थी ने आरोप लगाया है कि विपक्षी प्रधान संदीप कुमार ने फर्जी तरीके से ग्राम भिउरा के परिवार रजिस्टर में अपने परिवार के सदस्यों के नाम जोड़वा दिए हैं। प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि मंशाराम पुत्र मुन्नीलाल, यशोदा देवी पत्नी मंशाराम, तथा अवधेश कुमार पुत्र मंशाराम के नाम भिउरा में जोड़े गए हैं, जबकि ये सदस्य संदीप कुमार के परिवार के हैं और उनका ग्राम भिउरा में कोई निवास स्थान नहीं है। आरोप है कि ग्राम सचिव की मिलीभगत से यह नाम परिवार रजिस्टर में जोड़े गए हैं तथा विपक्षी प्रधान अपने अधिकार क्षेत्र का गलत उपयोग कर वोटर सूची में परिवार के नाम शामिल करवा रहा है। पवन सिंह ने इस कृत्य को न्यायविरुद्ध बताते हुए प्रार्थना की है कि मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और अपराधी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी मांग की है कि इस फर्जी नामांकन को तत्काल हटाया जाए तथा प्रार्थना पत्र के आधार पर प्रथम सूचना रिपोर्ट (स्नढ्ढक्र) दर्ज कर आवश्यक कानूनी कदम उठाए जाएं। यह मामला ग्राम पंचायत के प्रशासनिक नियमों और चुनाव प्रक्रिया की शुचिता पर एक बड़ा सवाल खड़ा करता है। जिला प्रशासन से अपेक्षा है कि वे मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करें ताकि ग्राम पंचायत का शासन-प्रशासन पारदर्शी और न्यायसंगत बना रहे। यह मामला स्थानीय राजनीति में हलचल पैदा कर सकता है, और प्रशासन की कार्रवाई पर लोगों की नजर बनी हुई है। इस तरह के कृत्यों के खिलाफ सख्त कदम उठाना जरूरी है ताकि लोकतंत्र और पंचायत व्यवस्था की इज्जत बनी रहे।

एस.एस. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, बीकेटी में धूमधाम से मनाया गया दशहरा पर्व

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

संवाददाता हरिओम दीक्षित

बख्शी का तालाब- एस.एस. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के अन्तर्गत एस एस इंटरनेशनल स्कूल एवं एस एस पब्लिक स्कूल में दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर नन्हें मुन्नों बच्चों ने रंग बिरंगे कपड़े पहन कर भगवान राम और रावण बनकर रामलीला का मंचन किया। नन्हें-मुन्नें बच्चों ने रामलीला पात्रों के वेश में अपनी लीला से सभी का मन जीत लिया। इस दौरान बच्चों को बताया गया कि दशहरे के दिन भगवान श्री राम ने रावण का वध किया। इस पर्व को असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। एस.एस. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के प्रांगण में रावण का दहन किया गया। और बच्चों को रामलीला दिखाई गयी। इस दिन नवरात्री भी मनायी गयी। विजय दशमी का त्यौहार भगवान राम द्वारा रावण के वध का दिन है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल के शिक्षिक एवं शिक्षिकाओं सहयोग किया।एवं नवरात्रि के पावन अवसर पर डांडिया नृत्य का भी आयोजन किया गया इस मौके पर तत्पश्चात चेयरमैन प्रवीण सिंह चौहान द्वारा अनमोल प्रेरक विचारो से विद्यार्थियों और शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया और सभी बच्चों को दशहरा पर्व की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। यह त्योहार भारतीय संस्कृति के वीरता का पूजक, शौर्य का उपासक है , कार्यक्रम में संस्था की उपाअध्यक्ष हेमा सिंह जी भी उपस्थित रहीं। एस एस इंटेनेशनल स्कूल की प्रधानाचार्या प्रिया उपाध्याय एवं एस एस पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती सी के शर्मा ने सभी गणमान्य व्यक्तियों और शिक्षकों का धन्यवाद ज्ञापन किया और सभी को दशहरा पर्व की बधाई दी।

डिप्टी सीएम ने किया मां चंद्रिका देवी मंदिर में दर्शन पूजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

संवाददाता हरिओम दीक्षित

लखनऊ। नवरात्रि की अष्टमी मंगलवार को उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर, जिला अध्यक्ष विजय मौर्य के साथ बख्शी का तालाब के कठवारा गांव में स्थित प्रसिद्ध मां चंद्रिका देवी मंदिर में दर्शन पूजन व हवन किया । डिप्टी सीएम ने कहा कि कई वर्षों से मां की कृपा से दर्शन करने आने का सौभाग्य मिल रहा है आज भी मां चंद्रिका देवी की कृपा से मां के चरणों में प्रणाम करने का आशीर्वाद लेने के साथ हवन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है मां के चरणों में यही प्रार्थना करते हैं कि वर्तमान व भविष्य भी अच्छा रहे विकसित भारत के साथ विकसित उत्तर प्रदेश हो । विजयदशमी की भी सभी को शुभकामनाएं दी किसके साथ ही कहा कि जितने भारत विरोधी शक्तियां हैं उनको रावण के रूप में मानकर उनसे निकलने का रास्ता निकाले यही अपील करता हूं ।

डिप्टी सीएम ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव व विपक्ष पर साधा निशाना

डिप्टी सीएम ने अखिलेश यादव व विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि सरकार गरीबों के मकान गिराते नहीं बनाते हैं ।माफियाओं द्वारा जो गरीबों के मकान पर कब्जा किए हैं गरीबों के मकान बनाने वाले स्थान पर कोई माफिया कब्जा किया है तो वह हटाते हैं वही ध्यान बांटने का कार्य वह करते हैं जो ध्यान भटका करके ही अपनी राजनीति करते हैं उनको वह पता हो गया है कि जनता को धोखा देकर भाजपा के विजय रथ को रोकना संभव नहीं है 2014 से विजय यात्रा जो चल रही है वह जारी रहेगी आगे आने वाले बिहार चुनाव में मां की कृपा व जनता के आशीर्वाद से बड़ी विजय प्राप्त करेंगे वहीं तीसरी बार भी उत्तर प्रदेश में भी प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएंगे। हर क्षेत्र में माफियाओं को तैयार करने का कार्य पूर्ण की सरकार ने किया हमारी सरकार ने माफियाओं की एक-एक कोशिसो को धीमे-धीमे खत्म कर दिया है जो बचे कूचे हैं आने वाले समय में सही मायने में रामराज्य सही मायने में सुशासन सही मायने में गलत लोगों पर कार्यवाही इसी में 25 करोड़ लोगों की भलाई है यही हमारी सरकार का संकल्प है।

मलिहाबाद में निकली भव्य ज्योति कलश शोभायात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। शारदीय नवरात्रि की अष्टमी तिथि पर मलिहाबाद में माता शीतला देवी मंदिर, शीतलन टोला से निकलने वाली पारंपरिक ज्योति कलश शोभायात्रा मंगलवार को बड़े ही धूमधाम से निकाली गई। लगातार हो रही बूँदाबादी के बावजूद भी श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ और यह यात्रा मंदिर से शुरू होकर नगर के मुख्य मार्गों से गुजरी।

यात्रा का मार्ग और समापन

शोभायात्रा मंदिर परिसर से शुरू होकर बजरिया, चौधराना, तहसील रोड, मिर्जागंज, डाकघर तिराहा, गल्लामंडी, गुन्नी चौराहा, मुंशीगंज जैसे प्रमुख इलाकों से होती हुई देर शाम को वापस मंदिर परिसर में समाप्त हुई। रास्ते भर नगर और आसपास के सैकड़ों गाँवों के ग्रामीणों की आस्था इस यात्रा से जुड़ी होने के कारण, लोगों ने जगह-जगह रुककर दर्शन-पूजन किया और सर्व कल्याण की प्रार्थना की।

ढाई दशक पुरानी परंपरा

आयोजक माँ शीतला देवी मंदिर जीर्णोद्धार सेवा समिति के सदस्यों ने इस परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला। सोहनलाल, भईयायाल, अरुण, संतोष राठौर, सुरेश, कैलाश, मदन, नन्दी महराज और अन्य सदस्यों ने बताया कि करीब ढाई दशक पूर्व माता ज्वाला देवी से ज्योति लाकर ऐतिहासिक शीतला माता मंदिर परिसर में स्थापित की गई थी। तभी से हर वर्ष शारदीय नवरात्रि की अष्टमी पर इस ज्योति कलश को नगर भ्रमण कराया जाता है।

नवमी पर कन्या पूजन और भंडारा

सभासद अमनेश कश्यप ने जानकारी दी कि नवमी तिथि पर मंदिर परिसर में कन्या पूजन और विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय लोगों के सहयोग से बुधवार को आयोजित होने वाले इस भंडारे में हजारों श्रद्धालु आकर कन्या पूजन करेंगे और प्रसाद ग्रहण करेंगे। भव्य शोभायात्रा में अनेकों श्रद्धालुओं ने शामिल होकर माता के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की।

मुख्यमंत्री योगी ने जनजातीय युवाओं से किया संवाद, माल कस्बे के युवा शुभम् गुप्ता भी हुए शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- सोमवार की देर रात्रि लखनऊ 5- कालीदास मार्ग पर 17वें जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम में माल कस्बे के शुभम् गुप्ता ने भी हिस्सा लिया। आपको बता दें कि,मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 17वें जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत सोमवार को मध्य प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ व उड़ीसा के प्रतिभागियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम को प्रधानमंत्री के ÷एक भारत श्रेष्ठ भारत÷ अभियान का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए कहा कि यह पहल न केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान का मंच है, बल्कि देश की एकता, अखंडता और विविधता में निहित एकता की भावना को सशक्त करने का अवसर भी है। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए शुभम् गुप्ता ने बताया कि,यह पूरा कार्यक्रम 25 सितंबर से प्रारंभ हुआ है, जो पहली अक्तूबर तक चलेगा। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश में युवाओं का स्वागत व अभिनंदन करते हुए अपील की कि आप सब देश की एकता और अखंडता के लिए अपने को तैयार करेंगे। मुख्यमंत्री ने मेहमान युवाओं को शारदीय नवरात्रि और विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने पीएम के पंच प्रण की चर्चा की और कहा कि यह विकसित भारत की आधारशिला बनेंगे।

नवरात्रि के सातवें दिन भक्तिभाव से मां दुर्गा की पूजा अर्चना

बतौर मुख्य अतिथि रहें सपा विधायक राहुल लोधी, विशिष्ट अतिथि रहें सपा नेता डॉ दिनेश यादव

जय अम्बे नवयुवक कमेटी पूरे कालिका बक्स,नव दुर्गा पंडाल

लालगंज- रायबरेली- क्षेत्र के पूरे कलिका बक्स मजरे ऐहार गांव में विगत वर्षो से जय अम्बे नवयुवक कमेटी द्वारा नवदुर्गा पंडाल सजाया जा रहा कार्यक्रम के सातवें दिन भी धूमधाम से पूजा अर्चना भक्तों के द्वारा कि गई कमेटी के द्वारा भक्तिमय संगीत नृत्य व संगीत का आयोजन किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरचंदपुर सपा विधायक राहुल लोधी के रूप में उपस्थित रहे।नन्हे-मुन्ने बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं व झांकियां जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। युवा पत्रकार संतोष कुमार ने मुख्य अतिथि को माला फूल पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे सुनील कुमार ने कार्यक्रम में मौजूद अन्य अतिथियों का स्वागत सम्मान किया डॉ् दिनेश यादव,पिंटू साहू, इंद्रेश यादव, सूरज लोधी, बृजलाल, गोलू गौतम, राजू गौतम, पप्पू गौतम अंकित कुमार सहित अन्य सदस्यों का स्वागत सम्मान किया।

दरोगा घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार एंटी करप्शन टीम ने की कार्रवाई, केस खत्म करने के लिए मांगे थे दस हजार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर- जनपद सीतापुर में एंटी करप्शन टीम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए एक दरोगा को घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया दरोगा को टीम अटरिया थाने ले गई, जहां उससे गहन पूछताछ की जा रही है इस घटना के बाद पुलिस महकमे में खलबली मच गई है और अधिकारी मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, मामला सिधौली कोतवाली क्षेत्र के ग्राम हरदोइया निवासी पंकज कुमार से जुड़ा है पीड़ित पंकज का कहना है कि उसने मौईजुद्दीन से बाग लेने के लिए रुपये दिए थे, लेकिन मौईजुद्दीन ने वह बाग किसी और को दे दिया इस पर पीड़ित ने शिकायत आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से दर्ज कराई आरोप है कि चौड़ियां चौकी इंचार्ज अरुण कुमार शर्मा ने शिकायत को संज्ञान में लेने के बजाय समय लेकर उल्टा पंकज के खिलाफ ही मुकदमा दर्ज कर दिया पीड़ित का आरोप है कि मुकदमा खत्म कराने के नाम पर दरोगा ने उससे दस हजार रुपये की मांग की मजबूर होकर पंकज ने इसकी शिकायत भ्रष्टाचार निवारण टीम से कर दी टीम ने पंकज को पैसे देने की योजना के तहत भेजा जैसे ही पंकज दरोगा को रुपये सौंपने पहुंचा, दरोगा ने चौकी के गेट पर ही तख्त पर बैठकर रकम गिननी शुरू कर दी। इसी बीच पहले से मौजूद एंटी करप्शन टीम ने उसे धर दबोचा गिरफ्तारी के बाद दरोगा को तत्काल अटरिया थाने लाकर पूछताछ शुरू कर दी गई हालांकि, इस कार्रवाई से पूरे पुलिस विभाग में हड़कंप है लेकिन अधिकारी इस मामले पर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं टीम अटरिया थाने में ही दरोगा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा रही है!!

नवरात्र में अंधेरे में डूबा महरुआ; वेस्ट फीडर की बिजली व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीनियर रिपोर्ट – विपिन शुक्ला

अंबेडकर नगर। जहां एक ओर नवरात्र के पावन पर्व पर पूरा जनपद रोशनी और भक्ति में डूबा हुआ है, वहीं महरुआ पावर हाउस के वेस्ट फीडर के उपभोक्ता लगातार अंधेरे से जूझ रहे हैं। नवरात्र जैसे बड़े त्यौहार में भी हजारों परिवार बिजली की एक-एक किरण को तरस रहे हैं। महरुआ क्षेत्र के वेस्ट फीडर की बिजली व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि 24 घंटे में मुश्किल से 2 से 3 घंटे ही बिजली मिल पाती है, वह भी बार-बार कटने के कारण स्थिर नहीं रहती। यही नहीं, पावर हाउस पर फोन करने पर अधिकारियों के पास केवल तीन घिसी-पिटी दलीलें रहती हैं–"11 हजार लाइन का तार गिर गया है", "जम्पर कट गया है"या फिर "मैन सप्लाई से लाइट कट गई है।"स्थिति यह है कि पावर हाउस अधिकारियों के रवैये से उपभोक्ताओं में भारी आक्रोश है। जनता का कहना है कि महरुआ जेई और जिम्मेदार अधिकारी यह कहकर पल्ला झाड़ लेते हैं कि भीटी को अलग करने के बाद वेस्ट फीडर पर 18 घंटे बिजली दी जा रही है, जबकि हकीकत यह है कि त्यौहार पर भी केवल 2-3 घंटे ही बिजली मिल पा रही है।इधर उपभोक्ताओं में यह चर्चा भी है कि एक्सईएन साहब का सीयूजी नंबर कभी नहीं लगता, जिस पर लोग अब मजाक में ÷सट्टा÷ तक लगाने लगे हैं कि फोन उठेगा या नहीं। त्यौहार के समय जब लोगों को घर-घर रोशनी की उम्मीद रहती है, ऐसे में बिजली व्यवस्था की यह बदहाली लोगों के आस्था और धैर्य पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि जिले के उच्चाधिकारी तत्काल इस गंभीर समस्या पर संज्ञान लें और वेस्ट फीडर की बिजली आपूर्ति को नियमित कराए।

पुलिस ने 13 आरोपियों को थाने में बुलाकर दिलाई शपथ महिला अपराधों से दूर रहने की हिदायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर –जनपद सीतापुर में महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर पुलिस लगातार सक्रिय है इसी कड़ी में सीओ सदर नेहा त्रिपाठी के नेतृत्व में थाना कोतवाली देहात पुलिस टीम ने महिला अपराधों में रिहा हुए 13 आरोपियों को थाने पर बुलाकर उन्हें सख्त लहजे में हिदायत देते हुए शपथ दिलाई। पुलिस ने हिदायत दी कि समाज में महिलाओं का सम्मान करें और भविष्य में किसी भी प्रकार के अपराध से दूर रहें पुलिस ने साफ हिदायत दी कि दोबारा अपराध करने पर कड़ी कार्रवाई होगी साथ ही, आरोपियों को खेती, व्यापार या अन्य सम्मानजनक कार्यों से आजीविका चलाने की सलाह दी गई। इसके अलावा, टीम ने क्षेत्र में गश्त और चेकिंग अभियान चलाया इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं पर फब्तियां कसते एवं इशारे करते हुए पुनीत कुमार पुत्र रामप्रकाश निवासी मोहनुद्दीनपुर को पकड़ लिया गया। आरोपी के खिलाफ 296 बीएनएस में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई है यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए टीम ने वाहन चेकिंग अभियान भी चलाया यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर कुल 18 वाहनों के चालान किए गए जिनमें 2 वाहन फॉल्टी नंबर प्लेट वाले भी पाए गए एमवी एक्ट के अंतर्गत इन चालानों से कुल 29,000 रुपये का जुर्माना वसूला गया। मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस की यह कार्रवाई महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस की प्रतिबद्धता को दर्शाती है पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ऐसे अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे ताकि महिलाएँ निडर होकर समाज में अपनी भूमिका निभा सकें!!

भाजपा नेता और कोतवाल बलवंत शाही के बीच जमकर हुई नोकझोंक, कार्यकर्ता को थाने में बैठाने पर हुआ विवाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर- जनपद सीतापुर के सिधौली कोतवाली क्षेत्र में भाजपा जिला उपाध्यक्ष करुणा शंकर और कोतवाल बलवंत शाही के बीच जमकर नोकझोंक हो गई मामला भाजपा कार्यकर्ता को कोतवाली में बैठाए जाने से जुड़ा है जानकारी के मुताबिक भाजपा युवा मोर्चा के जिला मंत्री सत्यपाल शर्मा और गांव पवन शर्मा के बीच विवाद को लेकर पवन पिछले 15 दिनों से रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए थाने के चक्कर काट रहा था। शनिवार को थाना दिवस में नायब तहसीलदार ने पवन का प्रार्थना पत्र लिया और दोनों पक्षों को थाने में बैठा दिया देर शाम पुलिस ने दोनों को छोड़ दिया इसी बात से नाराज भाजपा के जिला उपाध्यक्ष करुणा शंकर अपने समर्थकों के साथ रविवार शाम को कोतवाली पहुंचे और कोतवाल से तीखी बहस करने लगे करुणा शंकर ने कहा कि बिना जिलाध्यक्ष को विश्वास में लिए उनके पदाधिकारियों को क्यों थाने में बैठाया गया उनका कहना था कि भाजपा कार्यकर्ताओं को बैठाने से पहले कम से कम पार्टी जिलाध्यक्ष से बात करनी चाहिए थी इस दौरान करुणा शंकर ने कोतवाल पर कार्यकर्ताओं को परेशान करने का आरोप लगाते हुए धमकी भरे लहजे में कहा कि इस तरह की कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कोतवाल बलवंत शाही ने जब अपनी बात रखने की कोशिश की तो भाजपा नेता और ज्यादा भड़क गए और कहा कि आप हमारी बात सुनने के बजाय टालमटोल कर रहे हैं दोनों पक्षों के बीच हुई गरमा-गरमी का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है घटना के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया था हालांकि कुछ देर बाद भाजपा नेता और कार्यकर्ता कोतवाली से चले गए!!

दो युवक डिब्बे में जिंदा सांप लेकर पहुंचे अस्पताल, एक साथ दो युवकों को डसा, वार्ड में सांप देख सहमा स्टाफ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर- जनपद सीतापुर में एक सांप ने दो युवकों को डस लिया दोनों ने सांप को डिब्बे में बंद किया और अस्पताल पहुंच गए। डॉक्टर डिब्बे में सांप को देख हैरान रह गए युवकों ने बताया कि इसने हम दोनों को काटा है आप इलाज करिए तब जाकर दोनों का इलाज शुरू किया गया। पूरा मामला थाना मछरेहटा क्षेत्र के मंसूरनगर गांव का है गांव के अमीर नाम के युवक को रविवार देर शाम घर बोरी उठाते समय में सांप ने डस लिया उसने शोर मचाया तो गांव के लोगों की भीड़ लग गई अमीर के साथी करीम अली ने सांप को भगाने का प्रयास करने लगा तो सांप ने उसे भी डस लिया इसके बाद दोनों हिम्मत दिखाई सूझबूझ दिखाते हुए सांप को पकड़ लिया और उसे एक डिब्बे में बंद कर लिया इसके बाद घायल अमीर अपने साथी करीम को साथ लेकर सीधे जिला अस्पताल पहुंच गए अस्पताल पहुंचते ही जब डॉक्टरों के सामने डिब्बा खोला गया तो वहां अफरातफरी मच गई। मेडिकल स्टाफ और मरीजों में हड़कंप मच गया हालांकि डॉक्टरों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत अमीर और करीम का इलाज शुरू कर दिया डिब्बे में बंद सांप की पहचान पानीहा प्रजाति के रूप में की गई जो हल्के जहर वाला सांप माना जाता है। डॉक्टरों ने बताया- समय रहते दोनों मरीज अस्पताल आ गए जहर अधिक न होने के कारण दोनों की जान बच गई इलाज के बाद फिलहाल उनकी हालत स्थिर है दोनों को डॉक्टरों ने डिस्चार्ज कर दिया है!!

संक्षिप्त खबरें

संभागीय परिवहन से सेवानिवृत्ति सम्मानपूर्वक विदाई

कानपुर। आज सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन चतुर्थ दल आर. के. वर्मा अपनी अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्ति हुए इस अवसर पर उप परिवहन आयुक्त आर आर सोनी, आरटीओ प्रशासन राकेंद्र कुमार सिंह, आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव, एआरटीओ प्रवर्तन कहकशां खातून, ए आर टी ओ प्रशासन आलोक कुमार सिंह एवं यात्री/मालअधिकारी दीपक सिंह,अनिल कुमार सिंह, आर आई आकांक्षा सिंह एवं बस यूनियन से राजीव पाठक संजय बाजपेई, अमितेश सिंह, लकी अरोरा, श्याम शुक्ला एवं कार्यालय के सभी स्टाफ के द्वारा उनको सम्मान पूर्ण विदाई दी गई और उनके अग्रिम उज्जवल भविष्य की कामना किया गया।

नवरात्र में मां दुर्गा की उपासना, नौ रूपों की आराधना का महत्व

चंदवा। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मां दुर्गा की भव्य पूजा-अर्चना पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और आस्था के साथ की जा रही है। धर्मग्रंथों के अनुसार मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विशेष पूजा होती है। मां शैलपुत्री से लेकर सिद्धिदात्री तक हर रूप अपने अलग महत्व और आशीर्वाद के लिए पूजे जाते हैं। शैलपुत्री पर्वतराज हिमालय की पुत्री हैं, ब्रह्मचारिणी तप और संयम की देवी, चंद्रघंटा सौभाग्य व शांति की प्रतीक, कूष्मांडा सृष्टि की जननी, स्कंदमाता मातृत्व की देवी, कात्यायनी महिषासुर मर्दिनी, कालरात्रि भय नाशिनी, महागौरी शांति व सौम्यता की देवी और सिद्धिदात्री भक्तों को सिद्धि और मोक्ष प्रदान करने वाली मानी जाती हैं।

दुर्गा पूजा क्यों मनाई जाती है?

मान्यता है कि मां दुर्गा ने महिषासुर जैसे दैत्य का वध कर धर्म और सत्य की रक्षा की थी। तभी से यह पर्व अच्छाई की बुराई पर विजय और शक्ति की उपासना के रूप में मनाया जाता है। समाज में एकता, सहयोग और सांस्कृतिक समरसता फैलाने वाला यह पर्व पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव ने कहा कि ÷मां दुर्गा की पूजा हमें यह संदेश देती है कि अन्याय और अधर्म चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, सत्य और धर्म की हमेशा विजय होती है। नवरात्र का पर्व समाज में आपसी भाईचारे और मातृशक्ति की आराधना का प्रतीक है।÷ वहीं प्रखंड अध्यक्ष मनोज चौधरी और युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अंकित कुमार तिवारी ने श्रद्धालुओं को नवरात्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि "माता रानी की कृपा सभी भक्तों पर बनी रहे। दुर्गा पूजा केवल धार्मिक पर्व ही नहीं बल्कि समाज को ऊर्जा, शक्ति और सकारात्मक सोच देने का अवसर भी है।"

चंदवा में भव्य रावण दहन सह सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारी अंतिम चरण में

चंदवा- विजयादशमी के अवसर पर चंदवा में इस बार भी परंपरा के अनुसार भव्य रावण दहन सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। रावण दहन समिति के तत्वावधान में यह कार्यक्रम 2 अक्टूबर 2024, दिन गुरुवार, शाम 5 बजे चंदवा हाई स्कूल के खेल मैदान में होगा। समिति के अध्यक्ष अमित गुप्ता है। कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए रविराज ने बताया कि इस बार कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए दिन-रात तैयारी चल रही है। कार्यक्रम स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है, साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम और नाट्य मंचन भी आयोजित होंगे। तैयारी में अंकित कुमार,अंकित गोलू, अक्षय, आकाश कुमार, राहुल जायसवाल, छोटू रजक, कुणाल खत्री, सचिन कुमार, उदय कुमार, मुकेश टेंट हाउस, अजित कुमार ल, कृष्णा कुमार, रवि पांडुरंगा समेत बड़ी संख्या में लोग जुटे हैं।रावण दहन कार्यक्रम में एसडीएम लातेहार, डीएसपी लातेहार, चंदवा बीडीओ, सीओ, थाना प्रभारी, चिकित्सा प्रभारी समेत कई प्रशासनिक अधिकारी व पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। समिति ने अनुमान लगाया है कि इस मौके पर 12 से 15 हजार की भीड़ उमड़ सकती है।लोगों का कहना है कि रावण दहन कार्यक्रम न केवल बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, बल्कि यह चंदवा की सामाजिक एकजुटता और सांस्कृतिक धरोहर को भी जीवंत करता है।

बेसिक व कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की छात्राओं को सरकारी अस्पताल का भ्रमण कराकर स्वास्थ्य जांच प्रक्रिया से कराया गया अवगत

●मिशन शक्ति फेज 5 में विभिन्न विभागों द्वारा बालिका व महिला समग्र उन्नयन हेतु दिया जा रहा है बल

भारतीय संस्कृति व समाज में बालिकाओं व महिलाओं का है देवी तुल्य स्थान-जिलाधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही – महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा, सम्मान तथा स्वावलम्बन पर आधारित मिशन शक्ति फेज-5 के अन्तर्गत नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन पर केन्द्रित तथा स्वस्थ्य नारी, सशक्त परिवार, विकसित भारत का आधार के कार्यक्रम के अन्तर्गत अधिकांश बेसिक विद्यालयों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं को सरकारी अस्पताल का भ्रमण एवं पर्चा बनवाने, संबंधित डॉक्टर को दिखाने व विभिन्न प्रकार की जांच करवाने के प्रक्रिया की जानकारी से अवगत कराया गया। उपर्युक्त कार्यक्रम जिलाधिकारी शैलेष कुमार ,मुख्य विकास अधिकारी तथा जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशानुसार मिशन शक्ति 5 के विभिन्न आयामों के प्रति जागरूकता

कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समस्त बेसिक एवं केजीबीवी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में विभिन्न सामाजिक मुद्दे जैसे जेंडर स्टेरियो टाइप, बाल विवाह, महिलाओ के लिए सरकारी योजनाओ पर नुक्कड नाटक का आयोजन किया गया।बालिकाओं को महिला कल्याण विभाग से कैप एवं टीण्शर्ट का वितरण किया गया एवं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के बारे मे विस्तार से पात्रता बताते हुए आवेदन करने हेतु कहा गया। साथ ही हेल्पलाइन नंबर 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन ,1098 चाइल्ड हेल्पलाइन तथा 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के बारे में बताते हुए यह जानकारी दी गई की बालिकाएं इन नंबरों पर अपनी सुरक्षा हेतु शिकायत कर सकती हैं उनकी जानकारी गुप्त रखी जाती है। वन स्टॉप सेंटर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को विस्तार से बताया गया साथ ही साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में बताकर जागरूक किया गया की बालिकाएं को किसी प्रकार की धोखेबाजी और छेड़छाड़ से संबंधित कॉल आए तो इस नंबर पर शिकायत दर्ज कर जानकारी दे सकती हैं। इस तरह से वह अपनी और अपनी बहनों की सुरक्षा स्वयं कर सकती हैं। उपर्युक्त कार्यक्रम में लैंगिक समानता विषय पर नुक्कड़ नाटकों का आयोजन कराते हुए महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजना के बारे में बताते हुए विस्तृत जानकारी दी गयी। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना 06 श्रेणियों लाभ प्रदान किया जाता है। प्रथम श्रेणी बालिका के जन्म होने पर 5000 द्वितीय श्रेणी बालिका के एक वर्ष तक के पूर्ण टीकाकरण के उपरान्त 2000 तृतीय श्रेणी कक्षा प्रथम में बालिका के प्रवेश पर 3000 चतुर्थ श्रेणी कक्षा छः में बालिका के प्रवेश पर 3000 पंचम श्रेणी कक्षा नौ में बालिका के प्रवेश पर 5000 एवं षष्ठम् श्रेणी बालिका द्वारा 12वीं उत्तीर्ण करने के उपरान्त स्नातक अथवा दो वर्षीय या अधिक अवधि के डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश पर 7000 प्रदान किया जाता है। जनपद में कुल 18570 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा चुका है क्रार्यक्रम में जिला प्रोबेशन से राजकुमार गुप्ता,ममता सिंह, रेशमा भारती, प्रियंका गुप्ता, आनन्द कुमार मौर्या, आलोक दूबे एवं शिक्षिका विद्यालय की लगभग 250 महिलाओं को मैजिक शो और नुक्कड़ नाटक के द्वारा बाल विवाह के खिलाफ दहेज प्रथा छेड़छाड़ आदि के विषय में जागरुक किया गया।

विशेषज्ञों ने दूसरे दिए भी किए भू-पुरातात्विक और प्राकृति धरोहरों का निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चित्रकूट- यूनेस्को ग्लोबल जियो पार्क विशेषज्ञ डॉ अलीरेजा अमरी काजमी के नेतृत्व में तीन दिवसीय दौरे पर जनपद आए विशेषज्ञों के दल ने मंगलवार को क्षेत्र की भू-पुरातात्विक और प्राकृतिक धरोहरों का गहन निरीक्षण किया। यह दौरा 29 सितंबर से 1 अक्टूबर तक चलेगा, जो चित्रकूट को यूनेस्को ग्लोबल जियो पार्क के रूप में मान्यता दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यूनेस्को ग्लोबल जियो पार्क विशेषज्ञ डॉ अलीरेजा अमरी काजमी के साथ आए विशेषज्ञों के दल में शामिल भूतपूर्व डिप्टी डायरेक्टर जनरल (डीडीजी) भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग (जीएसआई) डॉ. सतीश त्रिपाठी, मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक प्रशांत सिंह बघेल, जियोपार्क समन्वयक और पर्यावरणविद् डॉ अश्वनी अवस्थी तथा डी.एस.एन. कॉलिज उन्नाव के प्रोफेसर डॉ अनिल साहू ने निरीक्षण दौरे के दूसरे दिन कालिंजर किला, नरैनी का टनटना पहाड़ (रिंगिंग बेल रॉक), बृहस्पति कुंड जलप्रपात व बृहस्पति कुंड शैल चित्राशय का निरीक्षण किया। यह स्थल चित्रकूट क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और सांस्कृतिक विविधता को दर्शाते हैं, जो जियो पार्क की स्थापना के लिए

महत्वपूर्ण हैं।

कालिंजर किले के निरीक्षण के दौरान डॉ अनिल साहू ने बताया कि किले की संरचनाएं जियो पार्क के लिए आदर्श हैं, क्योंकि ये भूवैज्ञानिक इतिहास को जीवंत रूप से दर्शाती हैं। दल ने स्थानीय अधिकारियों से चर्चा कर संरक्षण और पर्यटन विकास के लिए सुझाव दिए। नैरनी के टनटना पहाड़ (रिंगिंग बेल रॉक) को डॉ अलीरेजा अमरी कसजमी ने इसे 'भू-संगीत' की संज्ञा दी और कहा कि यह पर्यटकों के लिए इंटरैक्टिव अनुभव होगा। डॉ. अश्वनी अवस्थी ने सुझाव दिया कि ट्रैकिंग पथ विकसित कर इसे पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन स्थल बनाया जाए हालांकि, पहुंच की कमी और संरक्षण की आवश्यकता चुनौतियां हैं। बृहस्पति कुंड जलप्रपात को डॉ. अनिल साहू ने सतत विकास का प्रतीक बताया, क्योंकि यहां जल और वन्यजीव संरक्षण का संतुलन है। बृहस्पति कुंड आश्रम शैलाश्रय के निरीक्षण के दौरान विशेषज्ञों के दल ने पाया कि यहाँ प्राकृतिक गुफओं और शैल आश्रय हैं। स्थानीय लोग इसे पिकनिक स्पॉट मानते हैं, लेकिन जियो पार्क का दर्जा इसे वैश्विक पर्यटन स्थल बनाएगा।

निरीक्षण के बाद डॉ अली रेजा अमरी काजमी ने चित्रकूट की ये संरचनाएं यूनेस्को ग्लोबल जियो पार्क के सभी मानदंडों को पूरा करती हैं। इसके लिए वह यूनेस्को में जियो पार्क दर्जे के लिए सिफारिश करेंगे। अब सभी व्यवस्थाएं उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश सरकारों के हाथ में हैं। डॉ. सतीश त्रिपाठी ने कहा कि यूनेस्को विशेषज्ञ की संतुष्टि इस बात का प्रमाण है कि चित्रकूट सभी मानदंडों को पूरा कर रहा है। दोनों राज्य सरकारों को इसे त्वरित रूप से कार्यान्वित करना चाहिए। यह दर्जा विदेशी पर्यटन को बढ़ाएगा और प्रभु श्रीराम से जुड़े स्थलों को वैश्विक पहचान देगा। डॉ अश्वनी अवस्थी ने प्रतिबद्धता दोहराई कि वह चित्रकूट में ग्लोबल जियोपार्क स्थापित करने के लिए कटिबद्ध हैं। वह दोनों राज्यों की सरकारों से मिलकर इसकी त्वरित स्थापना को बढ़ावा देंगे। यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा और पलायन को रोकेगा। डॉ अनिल साहू ने कहा कि दोनों राज्य सरकारों की सहमति पर वह जियो पार्क मान्यता के लिए पूर्ण सहयोग करेंगे।

चौपारण सीओ और थाना प्रभारी ने RCPL-13 फाइनल का किया उद्घाटन

● RCPL-13 फाइनल में कोरियाडीह की जीत, कुलदीप यादव मैन ऑफ द सीरीज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण- प्रखंड के रामपुर पंचायत में आयोजित RCPL-13 क्रिकेट टूर्नामेंट का शानदार फाइनल मुकाबला बीते रात्रि सोमवार को संपन्न हुआ। फाइनल मैच का उद्घाटन चौपारण सीओ संजय कुमार यादव, थाना प्रभारी सरोज सिंह और प्रमुख प्रतिनिधि उदय राणा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। फाइनल मुकाबला कोरियाडीह और लाराही की टीमों के बीच खेला गया। रोमांचक मैच बराबरी पर समाप्त होने के बाद बॉल आउट कराया गया, जिसमें कोरियाडीह ने 2-0 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। वही मैन ऑफ द सीरीज भले ही खिताब कोरियाडीह ने जीता, लेकिन टूर्नामेंट के मैन ऑफ द सीरीज का खिताब लाराही टीम के कुलदीप यादव को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए दिया गया। फाइनल मैच के दौरान थाना प्रभारी सरोज सिंह ने कहा कि ऐसा शानदार आयोजन इस क्षेत्र में पहली बार देखने को मिला। ऐसे टूर्नामेंट से ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। वही चौपारण अंचलाधिकारी संजय यादव ने कहा कि इस तरह के खेल आयोजन से ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में खेल भावना का विकास होता है। क्रिकेट टूर्नामेंट जैसे कार्यक्रम न सिर्फ मनोरंजन का साधन हैं, बल्कि युवाओं को अनुशासन और टीम भावना भी सिखाते हैं। प्रशासन हमेशा ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहित करता रहेगा।

आयोजन समिति की भूमिका इन्होंने निभाई

टूर्नामेंट को सफल बनाने में अध्यक्ष विनय सिंह, सचिव विजय कुमार यादव, उपाध्यक्ष बलरामद्र राम, संयुक्त सचिव दयानन्द ठाकुर, प्रबंधक अशोक राणा, मेजबान प्रबंधक शशिकांत शर्मा, कोषाध्यक्ष पवन कुमार, मीडिया प्रभारी रणवीर चौधरी, मेडिकल प्रभारी मनोज कुमार पाठक समेत कई अन्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संरक्षक सदस्य के तौर पर राजेश कुमार, मनोज प्रसाद, धर्मवीर कुमार, विवेक कुमार, सोनू कुमार, लवकेश पांडेय, दीपक कुमार, देवराज प्रसाद और राजू टेस्टर ने भी जिम्मेदारी निभाई।

रोल पूजा पंडाल में शारदीय नवरात्रि के अष्टमी पर मां महागौरी की हुई भव्य आराधना

●लाल किला थीम का भव्य पंडाल पूरे क्षेत्र के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र

विजयदशमी के दिन जतरा की विशेष तैयारी,सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन होगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंदवा। शारदीय नवरात्र को लेकर चंदवा प्रखंड में भक्ति का माहौल बना हुआ है। अष्टमी तिथि को गुरुवार को श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के अष्टम स्वरूप मां महागौरी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। प्रखंड के सुदूरवर्ती जमीरा पंचायत अंतर्गत दुर्गा मंडल रोल महुआ मिलान स्टेशन स्थित पूजा पंडाल में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। पंडित श्याम नंदन मिश्र के सानिध्य में पूरे वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन संपन्न हुआ।धार्मिक मान्यता है कि मां महागौरी सभी पाप कर्मों से मुक्ति दिलाकर आत्मा को पवित्र और स्वच्छ बनाती हैं। विद्वानों के अनुसार अष्टमी पूजन के लिए मंगलवार की अहले सुबह विशेष शुभ मुहूर्त था। इसके बाद दोपहर 1:46 बजे तक पूजा-अर्चना के उपरांत संधि बलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके पश्चात दीपदान और महाआरती का आयोजन होगा। दुर्गा मंडल रोल के द्वारा महुआ मिलान स्टेशन पर बनाया गया लाल किला थीम का भव्य पंडाल पूरे क्षेत्र के लिए आकर्षण का विशेष केंद्र बना है।इस सुदूर ग्रामीण इलाके में पहली बार थीम पंडाल बनाया गया जिसे देखने लोग दूर-दूर से आ रहे हैं। समिति के अध्यक्ष प्रतुल शाह देव ने बताया कि विजयदशमी के दिन जतरा के लिए विशेष तैयारी की गई है। इस बार लोहरदगा की सांस्कृतिक मंडली विजयदशमी को दिन के 2:00 से लेकर शाम 7:00 तक कार्यक्रम पेश करेगी। कार्यक्रम के मौके पर पूजा समिति अध्यक्ष प्रतुल शाहदेव, कार्यकारी अध्यक्ष रमेश प्रसाद, आशीष सिंह, माल्हन मुखिया जतरू मुंडा, रमेश साव, मोहन लाला चावड़ा, आलोक कुमार, राहुल शाहदेव, प्रमोद दुबे, जय प्रकाश घटवार, रमेश गुप्ता, उदय शाहदेव, उदित शाहदेव, अजीत शाहदेव, आशीष कुमार सिंह, सूर्यनाथ सिंह, रोहित शाहदेव, शंकर मुंडा, बल्कू मुंडा, प्रशांत शाहदेव, सत्यपाल घटवार, कोलेसर यादव, दीपक शाहदेव, राजेश प्रजापति, सुबोध प्रजापति, किशुन उरांव, दिलीप साव, जयंत प्रसाद, सूरज प्रजापति, हेमंत चावड़ा, देव रतन गिरी, वीरेंद्र गिरी, लखन प्रजापति, शंभु घटवार, जगेसर भगत, रामदास प्रजापति, अजय घटवार आदि की भी सक्रिय मौजूदगी रही।

नवरात्रि के अष्टमी/नवमी पर कन्या पूजन व बालिका जन्मोत्सव मनाकर मातृ शक्तियों को किया गया नमन

●समाज में बालिकाओं के जन्म के प्रति सोच में साकारात्मक बदलाव लाना है उद्देश्य-जिलाधिकारी

लिंग परीक्षण, बालिका शिक्षा भेदभाव, बाल विवाह के खिलाफ शानदार नाटक प्रस्तुति से समाज को जागरूकता का दिया गया संदेश

मिशन शक्ति फेज-5 अभियान को सफल बनाने में उत्कृष्ट योगदान देने वाली प्रियंका गुप्ता व रेशमा भारतीय को शक्ति योद्धा पुरस्कार से सम्मानित कर दिया गया प्रशस्ति पत्र

बालिकाओं की शिक्षा एवं स्वास्थ्य की स्थिति को सुदृढ़ करने हेतु उठाये गये सार्थक कदम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही – महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा, सम्मान तथा स्वावलम्बन पर आधारित मिशन शक्ति फेज-5 के अन्तर्गत नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन पर केन्द्रित तथा स्वस्थ्य नारी, सशक्त परिवार, विकसित भारत का आधार के कार्यक्रम के अन्तर्गत शारदीय नवरात्रि के अष्टमी/नवमी पर डीजे मौर्य इण्टर कालेज देवनाथपुर में आयोजित मेगा इवेन्ट 51 कन्या पूजन सहित 11 बालिका जन्मोत्सव, बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओ हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से महिलाओं को जिलाधिकारी शैलेष कुमार, जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल द्वारा नमन व सम्मानित किया गया। भ्रूण परीक्षण, बालिका शिक्षा भेदभाव, बाल विवाह के खिलाफ शानदार नाटक मंचन प्रस्तुति से समाज को जागरूकता का संदेश दिया गया। प्रस्तुति की उपस्थित लोगों ने मुक्त कंठ से प्रशंसा किया। मिशन शक्ति फेज-5 अभियान को सफल बनाने में उत्कृष्ट योगदान देने वाली प्रियंका गुप्ता व रेशमा भारतीय को शक्ति योद्धा पुरस्कार से सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र दिया गया। 51 कन्याओं को तिलक पूजन करते हुए मिल्टन थर्मस, टोपी टी-शर्ट, चुनरी, फल मिठाई, भोजन प्रसाद इत्यादि भेंट किया गया। 11 बालिकाओं का जन्मोत्सव मनाते हुए उन्हे बेबी किट व पोषण पोटली सप्रेम भेंट किया गया। उपस्थित छात्राओं व महिलाओं ने जिलाधिकारी ने अपने बीच पाकर उत्साह भाव से आटोग्राफ व सेल्फी ली। बताया कि जिलाधिकारी के सम्बोधन व व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर आत्मविश्वास के साथ जीवन पथ पर आगे बढेंगी।

समाज में बालिकाओं के जन्म के प्रति सोच में साकारात्मक बदलाव के उद्देश्य से अष्टमी एवं नवमी के अवसर पर जिला मुख्यालय सहित सभी ब्लाकों में कन्या पूजन व उनके लिए प्रसाद ग्रहण का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम को बालिकाओं के लिए लाभपरक बनाने हेतु आयोजन स्थल पर विशेष काउन्टर लगाये गये। जहॉ प्रधानमंत्री मातृ बन्दना योजना की लाभार्थी बालिकाओं में से मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना हेतु पात्र बालिकाओं के फार्म भरवाये गये। जिसे जमीनी स्तर पर बालिकाओं के शिक्षा एवं स्वास्थ्य की स्थिति को सुदृढ़ करने हेतु सार्थक कदम उठाये जा सके।

मिशन शक्ति फेज-5 कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों संबंधी राज्य/जनपद स्तरीय संकेतकों यथा जनसंख्या अनुपात, जन्म/मृत्यु दर, लिंगानुपात, स्कूल ड्रॉपआउट, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, संस्थागत प्रसव, साक्षरता दर तथा महिलाओं और बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, तथा विभागीय योजनाओं आदि को समाज के समक्ष रखते हुये उनके सुधार हेतु जन-जागरूकता किया गया।

जिलाधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मा0 मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा, सशक्तिकरण व सम्मान के उद्देश्य के साथ मिशन शक्ति के रूप में जनजागरूकता हेतु जनपद में वृहद अभियान का संचालन किया जा रहा है। शक्ति का पंच प्रवाह-'सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन, स्वास्थ्य, सशक्तिकरण' को समाहित किया गया है। प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति में बालिकाओं व महिलाओं को देवी तुल्य मानकर समाज में उनका ऊंचा स्थान रहा है। नारी शक्ति को राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी धुरी माना गया है। कार्यक्रम में महिला सुरक्षा, महिला केन्द्रित विभिन्न सरकारी योजनाओं व हेल्पलाइन/फोरम के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान करते हुए महिला हिंसा से सम्बन्धित तथा अन्य शिकायतों के निवारण हेतु मौके पर समस्याओं का निस्तारण भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मिशन शक्ति फेज-5 का 30 दिवसीय विशेष अभियान प्रथम चरण प्रमुखता महिला को समर्पित है। मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत जनपद मुख्यालय से लेकर प्रत्येक ग्राम पंचायत व वार्ड में कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। जिसमें बीट पुलिस अधिकारी, आगनबाड़ी कार्यकत्री, बीसी सखी, लेखपाल, एएनएम, आशा वर्कर, ग्राम पंचायत अधिकारी, रोजगार सेवक, आदि के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में लोगों को शासन के कल्याणकारी योजनाओ से अवगत कराते हुए योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में आ रही समस्याओं का निराकरण कर कार्य को आगे बढ़ाया जा रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं से आवेदन प्राप्त कर उनका पंजीयन करते हुए उन्हें कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। जनपद में व्यापक स्तर पर महिला सशक्तिकरण जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है।

जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा ने बताया कि आज के विकसित भारत के संकल्प में महिलायें बढ़-चढ़कर भागीदारी कर रही है। हमारी मातृ शक्तियों की सफलतायें देशवासियों को प्रेरित व मार्गदर्शित करती है। मा0 प्रधानमंत्री व मा0 मुख्यमंत्री बालिकाओं व महिलाओं के समग्र उन्नयन हेतु सदैव प्रतिबद्ध है।

मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल ने बताया कि केंद्र व प्रदेश सरकार बालिकाओं एवं महिलाओं के सम्मान के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारे देश की महिलाएं, बेटियां देश में ही नहीं बल्कि दुनिया में अपना व अपने देश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि समाज में बेटी और बहू के बीच का भेदभाव खत्म होगा।

जिला प्रोबेशन अधिकारी ने महिला कल्याण विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड व सामान्य), पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन, स्पॉन्सरशिप योजना, वन स्टॉप सेन्टर, 1098 चाइल्ड हेल्पलाईन एवं टोलफ्री नं0-181 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी।

कार्यक्रम में मा0 सांसद प्रतिनिधि संजय बिन्द, जनप्रतिनिधिगण नागेन्द्र सिंह, अखिलेन्द्र सिंह, संस्था प्रबन्धक सीमा सिंह, डीजेएम प्रिंसिपल शशिकला सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक अंशुमान, जिला सूचना अधिकारी डॉ0 पंकज कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विकास चौधरी, जिला समाज कल्याण अधिकारी मीना श्रीवास्तव, जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश मिश्रा, मिशन शक्ति नोडल/थानाध्यक्ष सीमा सिंह, जिला प्रोबेशन लिपिक राजकुमार गुप्ता, ममता सिंह, आनन्द कुमार मौर्या, आलोक दूबे एवं शिक्षिकायें व काफी संख्या में छात्रायें उपस्थित रहीं।

दुर्गा पूजा के मद्देनजर उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने किया चंदवा, बालूमाथ, बरियातू, लातेहार प्रखंड के विभिन्न पूजा पंडालों का निरीक्षण

● दुर्गा पूजा एवं रावण दहन को लेकर उपायुक्त ने किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश...

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लातेहार- दुर्गा पूजा के दौरान विधि व्यवस्था व सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर उपायुक्त श्री उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक श्री कुमार गौरव ने आज चंदवा नगर मंदिर एवं हाई स्कूल स्टेडियम का निरीक्षण किया। दुर्गा पूजा के अवसर पर नगर मंदिर में होने वाली भीड़-भाड़ को लेकर उपायुक्त ने निर्देश दिया कि पूजा के दौरान भीड़-भाड़ को नियंत्रित करने हेतु मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने साफ-सफाई की सघन व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग की समुचित व्यवस्था एवं स्वयंसेवकों (वॉलेंटियर्स) की सक्रिय तैनाती करने को कहा। तथा पेयजल उपलब्धता हेतु टैंकर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके अतिरिक्त रावण दहन को लेकर उपायुक्त ने हाई स्कूल स्टेडियम, चंदवा का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा, बैरिकेडिंग, पार्किंग, भीड़ नियंत्रण एवं आपातकालीन सेवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आयोजन शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हो सके। इसके पश्चात बालूमाथ, बरियातू, हेरहंज एवं लातेहार प्रखंड के विभिन्न पूजा पंडालों का निरीक्षण कर विधि व्यवस्था का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने दुर्गा पूजा पंडालों में पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था व विधि व्यवस्था की स्थिति सामान्य रखने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उपायुक्त ने किसी भी विपरीत परिस्थिति में पंडाल समितियों को जिला नियंत्रण कक्ष एवं थानों से संपर्क करने का निर्देश दिया। आगे उन्होने कहा कि किसी भी प्रकार की सहायता के लिए या आपात स्थिति में सूचना देने के लिए जिले स्तर पर 24 घंटे कार्यरत कंट्रोल रूम नंबर 06565-247 981 पर कॉल कर सूचना को साझा किया जा सकता है। साथ ही साईवर सेल के मोबाइल नंबर 6206159795 पर अथवा 112 पर कॉल कर सूचना साझा कर सकते हैं। उन्होंने आम जनता से भी अपील की है कि दुर्गा पूजा के दौरान किसी तरह की अफवाह पर ध्यान नहीं दे और किसी तरह की समस्या होने पर सीधे पुलिस को जानकारी देंगे। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने पूजा समिति के प्रबंधकों एवं सदस्यों से अपील करते हुए कहा कि वे हर्षोल्लास एवं शांतिपूर्ण माहौल में सरकार व जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा निर्देश का पालन करते हुए दुर्गा पूजा त्यौहार मनाए। शांतिपूर्ण दुर्गापूजा संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा दंडाधिकारी सहित पुलिस बल को प्रतिनियुक्त किया गया है। इस दौरान उन्होने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिए। मौके पर अपर समाहर्ता श्री रामा रविदास, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार श्री अजय कुमार रजक, जिला परिवहन पदाधिकारी श्री उमेश मंड, विशेष कार्य पदाधिकारी गोपनीय शाखा श्रेयांश , जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, एसडीपीओ, संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी पुलिस पदाधिकारी, संबंधित थाना प्रभारी, जनप्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

पाकुड़िया के सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में 30 सितम्ववर पूरी भक्ति-भाव से की गई

●बड़ी संख्या में माताएं उपवास रह, अर्पित की मां के चरणों में पुष्पांजलि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया -पाकुड- 30 सितम्वर को पाकुड़िया स्थित सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में अष्टमी तिथि को, मां गौरी की भव्य स्वरुप की अर्चना पूरी भक्ति-भाव से की गई।इस पूनीत व मंगलमयी वेला में, बड़ी संख्या में माताएं उपवास रह माता के पावन चरणों में पुष्पांजलि अर्पित कर मंगल कामना की।अष्टमी तिथि को मंदिर परिसर में काफी भक्तों की भींड़ दिखी जिसमें,बड़ी संख्या में बालक-बालिकाएं व माताऐं उपस्थित रहीं। दुर्गा पूजा प्रखण्ड के मोंगलाबांध, फुलझिंझरी, आलूदाहा, गनपूरा, लखीजोल गोपालनगर बनो ग्राम, श्रीधरपाड़ा, राम घाटी, चौकी साल, पारुलिया, बदरीकुंड, पलियादह, पात पहाड़ी ग्राम में अष्टमी तिथि को मां गौरी की अर्चना पूरी भक्ति-भाव से की गई। दुर्गा पूजा को लेकर पाकुड़िया प्रखण्ड में, हर्षोल्लास दिख रहा है और बच्चों में उत्साह हिलोरें लेता रहा।पूजन के बाद पाकुड़िया दुर्गा पूजा प्रांगण में,शुद्ध खिचड़ी महाप्रसाद खिलाया गया।पूजा को शांत व व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने हेतु, चौक-चौराहों तथा पूजा परिसर में ग्रामीण पुलिस तैनात रहे, वहीं सिविल व पुलिस प्रशासन चौकस रहा।